28 मार्च 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

पूर्णिया में दो करोड़ की अवैध लॉटरी बरामद, ऑटो चालक गिरफ्तार

2

मुजफ्फरपुर में बैंक लूट का असफल प्रयास

बिहार में अपराधी बेलगाम

बैंक के अंदर घुसते ही पिस्टल तान खड़े हो गए थे बदमाश

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

बिहार में लुटेरों के मन में पुलिस का डर पूरी तरह खत्म हो चुका है, तभी तो वे दिनदहाड़े कभी शोरूम लूट की घटना को अंजाम दे रहे हैं, तो कभी बैंक लूटने पहुंच रहे हैं। ताजा मामला मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र के जसौली स्थित उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक का है। जिसे गुरुवार को बदमाशों ने लूटने का प्रयास किया। बाइक सवार तीन बदमाश बैंक की शाखा में घुस गए। इस दौरान दो बदमाशों ने मास्क लगा रखा था। बैंक में घुसते ही बदमाशों ने चार-पांच ग्राहकों को अपने कब्जे मे लेने के बाद बैंककर्मियों से सेफ की चाभी मांगी। कर्मियों के मैनेजर के पास चाभी होने की बात कहने पर बदमाश गाली-गलौज करके भाग गए। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार तीन बदमाश बाइक से आए और बैंक में घुसने लगे। तीनों अपने चेहरे पर मास्क लगाए हुए थे। गार्ड द्वारा अंदर घुसने के लिए मना करने पर बदमाशों ने गाली गलौज की और पिस्टल तान दिया। बैंक के अंदर घुसते ही एक ने कैशियर दूसरे ने मैनेजर और तीसरे ने कस्टमर की तरफ पिस्टल तानते हुए सभी लोगों को शांतिपूर्वक बैठने को कहा हलचल करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद कैश काउंटर को चेक किया। नकद नहीं मिलने के कारण कैशियर को धमकाया। उससे कैश की जानकारी ली। कैशियर ने बदमाशों को बताया कि वॉल्ट में नकदी रखा हुआ है, लेकिन उसकी दो चाबी है। एक मैनेजर के पास रहता है और एक हम लोगों के पास है। बैंक के मैनेजर अभी ड्यूटी में नहीं आए हैं उनके आने के बाद ही वाल्ट खुलेगा तभी कैश निकल सकता है। इतने में बाहर से पुलिस की गाड़ी की सायरन की आवाज आने लगी। पुलिस के सायरन की आवाज सुनकर तीनों बदमाश बाइक से बरूराज की तरफ भाग निकले।

शाखा प्रबंधक ने बताया कि तीन बदमाश मास्क लगाकर बैंक में आए थे। ड्यूटी पर तैनात चौकीदार को शक हुआ तो उन्होंने मास्क हटाने के लिए कहा, लेकिन बदमाशों ने मास्क नहीं हटाया और पिस्टल सटा दिया। अंदर घुसते ही एक गेट तोड़ने की कोशिश कर रहा था, तो दो पिस्टल ताने खड़े थे फिर जो बदमाश गेट तोड़ने की कोशिश कर रहा था। वह कैश काउंटर की तरफ बढ़ा और कैश खोजने लगा। कैश नहीं मिलने के बाद सभी बदमाश भाग निकले। वहीं डीएसपी पश्चिमी सुमित्रा कुमारी ने बताया कि कथैया में ग्रामीण बैंक कि शाखा में तीन बदमाशों ने लूट का प्रयास किया है। लेकिन बदमाश लूट की घटना को अंजाम देने में असफल रहे।

गया में एएसआई ने खुद को गोली से उड़ाया

पुलिस लाइन की घटना

एएसआई के भाई बोले... विभागीय कार्यों को लेकर तनाव में था

केटी न्यूज/गया

गया पुलिस लाइन में एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। घटना गया पुलिस लाइन बैरक नंबर दो के समीप पार्क की है। यह घटना बीती देर रात करीब 12 बजे के बाद हुई है। गोली की आवाज किसी ने नहीं सुनी। गुरुवार की सुबह जब पुलिस के जवान पार्क पहुंचे तो देखा कि एएसआई की कनपटी से खून आ रहा है। उस समय एएसआई की मौत हो चुकी थी। मृतक एएसआई की पहचान नीरज कुमार (40) के रूप में हुई है, जो गया जिले के मुफस्सिल थाना में तैनात थे।

मौके से पुलिस ने मृत दारोगा की सर्विस रिवाल्वर को जब्त कर लिया है। हालांकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक एएसआई के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच में किसी व्यक्तिगत या मानसिक तनाव की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिसकर्मियों और परिजनों से पूछताछ कर मामले की तह तक जाने का प्रयास किया जा रहा है। जैसे ही इस दुखद घटना की सूचना मृतक एएसआई के परिजनों को मिली, घर में कोहराम मच गया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही आत्महत्या के पीछे की सटीक वजह का पता चल सकेगा। एसएसपी ने बताया कि गया पुलिस इस घटना को लेकर शोकाकुल है और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

एएसआई नीरज कुमार बिहार के लखीसराय जिला के रहने वाले थे। वह 40 दिनों की छुट्टी के बाद ड्यूटी ज्वाइन करने गया आए थे। मृतक एएसआई के बड़े भाई पप्पू सिंह ने कहा कि नीरज का एक हाथ नहीं उठता था। इलाज के लिए घर गया हुआ था। उसने कई बार अपने अधिकारियों से अपनी समस्या बताई लेकिन इसके बावजूद थाने से एक बार में 40 केस दे दिए जाते थे। विभागीय कार्यों को लेकर वह तनाव में था। पुलिस लाइन में रहने वाले अन्य पुलिस कर्मियों ने बताया कि रात सभी क्रिकेट मैच देख रहे थे। क्रिकेट मैच समाप्त होने के बाद सभी अपने-अपने बेड पर चले गए। सुबह जब पुलिसकर्मी उठे तो गार्डन में देखा कि उसकी बॉडी पड़ी है। सिर में गोली लगी है और डेड बॉडी के पास ही सर्विस रिवाल्वर पड़ी है।

खबरें फटाफट

कठुआ में सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सेना को बड़ी सफलता मिली है। कठुआ के राजबाग इलाके के जुथाना में चल रहे एनकाउंटर में सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। सुरक्षा सूत्रों की तरफ से आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए बताया गया कि आपॅरेशन जारी रहने के कारण सही गिनती का पता नहीं चला है। लेकिन आपॅरेशन में आतंकियों को मार गिराया गया है। पूरे इलाके में जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। ताकि आतंकियों को भागने का मौका ना मिल सके। दरअसल यहां पिछले चार दिन से आतंकवाद रोधी अभियान बड़े स्तर पर जारी है। यह मुठभेड़ आज सुबह उस समय हुई जब राजबाग के घाटी जुथाना इलाके में जखोले गांव के पास सुरक्षाबलों का सामना आतंकवादियों से हुआ। यह जगह हीरानगर सेक्टर में रविवार को हुई मुठभेड़ वाले स्थल से लगभग 30 किलोमीटर दूर है। जानकारी के अनुसार सुबह से ही इलाके में आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ चल रही है। इसमें दोनों तरफ से रुक-रुककर फायरिंग जारी है।

सरकारी टेंडर मैनेज करने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों पर कसता शिकंजा

भवन निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर के ठिकानों पर छापा, करोड़ों के मिले कैश

करप्शन पर एक्शन

- पटना के पूर्णेंदु नगर स्थित मुख्य अभियंता तारिणी दास के ठिकाने पर मिले रुपयों को गिनने के लिए मंगानी पड़ीं चार मशीनें

चीफ इंजीनियर के कई रिश्तेदारों के घर पर भी ली गई तलाशी

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तारिणी दास के पटना स्थित आवास समेत कई ठिकानों पर की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह मामला आईएएस संजीव हंस से जुड़ा हुआ है, जिसमें सरकारी टेंडर मैनेज करने वाले सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों पर शिकंजा कसा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी को सूचना मिली थी कि पटना के पॉश इलाके में स्थित एक बंगले में बेनामी संपत्ति और अवैध लेन-देन से जुड़ी भारी नकदी छिपाई गई है। जब छापा मारा गया, तो अधिकारी भी चौंक गए, क्योंकि कमरों में नोटों के बंडल भरे पड़े थे। इतनी बड़ी मात्रा में कैश मिला कि गिनती के लिए चार नोट काउंटिंग मशीनें मंगवानी पड़ीं। 8 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी नकदी की गिनती पूरी नहीं हो सकी थी। शुरूआती अनुमान के मुताबिक, बरामद की गई रकम कई करोड़ रुपये में हो सकती है। ईडी की टीम इस नकदी के स्रोत का पता लगाने में जुटी हुई है और इस मामले से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के पूर्णेन्दु नगर स्थित उनके घर पर जांच टीम तलाशी लेने पहुंची। कई गाड़ियों से जांच टीम के अफसर उनके घर पहुंचे और गेट बंद करके तलाशी शुरू कर दी। खबर है कि उनके कई रिश्तेदारों के घर पर भी तलाशी ली गई। ईडी की टीम हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है। तारणी दास के रिश्तेदारों के यहां भी तलाशी चल रही है, जिससे पता चल सके कि कहीं उन्होंने भी तो घोटाले में कोई मदद नहीं की।

राजद विधायक बोले... जमकर हो रहा लूट भ्रष्टाचार: ईडी की रेड पर आरजेडी के विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि स्वागत है। जमकर लूट भ्रष्टाचार हो रहा है। इसमें मंत्री भी शामिल हैं. सीएम अचेतावस्था में हैं। उनको कुछ पता ही नहीं रहता है। कहीं भी छापेमारी कर लीजिए करोड़ों रुपया मिलेगा। देश में भ्रष्टाचार की राजधानी बिहार है। उधर ईडी की कार्रवाई पर बीजेपी के विधायक लखेंद्र पासवान ने कहा कि सुशासन की सरकार है। जो भी गड़बड़ करेगा बख्शा नहीं जाएगा।

टेंडर घोटाले में सबसे पहले आया था संजीव हंस का नाम

ईडी की ये छापेमारी आईएएस संजीव हंस से जुड़े मामले में हो रही है। पिछले साल अक्टूबर महीने में संजीव हंस तब चर्चा में आए जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनको पटना के सरकारी आवास से गिरफ्तार किया था। संजीव हंस तब से सुर्खियों में बने हुए हैं जब पहली बार उनका नाम बिहार के एक टेंडर घोटाले में सामने आया था। उस समय संजीव हंस ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव थे। संजीव हंस 1997 बैच के बिहार कैडर के आईएएस ऑफिसर हैं।

संजीव हंस पर क्या हैं आरोप: संजीव हंस ने करियर की शुरूआत उन्होंने एसडीएम बांका से की और बाद में बिहार के कई जिलों में जिलाधिकारी के रूप में तैनात रहे। कई विभागों में सचिव का कार्य संभालने के बाद, संजीव हंस की आखिरी तैनाती सीएमडी, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के तौर पर थी। लेकिन जब पहली बार ईडी ने उनके घर पर रेड डाला, तो उसके बाद सरकार ने उन्हें विभागों से हटाकर वेटिंग फॉर पोस्टिंग पर रख दिया। आय से अधिक संपत्ति और एक महिला वकील के साथ शारीरिक शोषण मामले में भी संजीव हंस का नाम आ चुका है।

लखनऊ के आश्रय केंद्र के चार बच्चों की फूड पॉइजनिंग से मौत

प्रशासन ने घटना की जांच के दिए आदेश

एजेंसी/लखनऊ

लखनऊ के निर्वाण आश्रय केंद्र, बुद्धेश्वर में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां फूड पॉइजनिंग से 4 मासूम बच्चों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक बच्चों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। प्रशासन ने इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और पूरे मामले की निगरानी की जा रही है। बताया जा रहा कि 23 मार्च की रात, आश्रय केंद्र के बच्चों ने रात का भोजन किया, जिसके कुछ समय बाद उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायतें शुरू हो गईं। अगले तीन दिनों में 35 बच्चों की तबीयत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सबसे पहले 24 मार्च को दीपा (15) की मौत लोकबंधु अस्पताल में हुई। इसमें सूरज (12) की मौत बलरामपुर अस्पताल में और शिवांक (15) की जान ठाकुरगंज अस्पताल में चली गई। वहीं, 26 मार्च को रेनू (13) ने दम तोड़ दिया और दो अन्य बच्चों को गंभीर हालत में डॉक्टर रेफर कर दिया गया।

प्रशासन की लापरवाही

हैरानी की बात यह है कि 24 मार्च को 3 बच्चों की मौत के बावजूद, आश्रय केंद्र प्रशासन ने इस घटना को छिपाने की कोशिश की। मीडिया में मामला 26 मार्च को सामने आया, जब एक और बच्चे की मौत हो गई और कई बच्चों की हालत गंभीर बनी है। डीएम विशाख जी ने बुधवार रात लोकबंधु अस्पताल पहुंचकर जांच के आदेश दिए। गुरुवार सुबह 9 बजे, कमिश्नर रोशन जैकब और प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने अस्पताल का दौरा कर बच्चों का हाल जाना।

ओडिशा में निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज

एजेंसी/भुवनेश्वर

ओडिशा में सियासी भूचाल जारी है। भुवनेश्वर में कांग्रेस कार्यकताओं ने सदन से 14 कांग्रेस विधायकों के निलंबन के खिलाफ ओडिशा विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया।

पुलिस ने उन पर पानी की बौछार भी की। इस दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए। दरअसल, 25 मार्च को ओडिशा की विधानसभा में असंसदीय आचरण करने के दोषी कांग्रेस विधायकों को स्पीकर ने निलंबित कर दिया था। अब तक 14 विधायकों को निलंबित किया गया है। निलंबित विधायकों में कांग्रेस विधायक दल के नेता रमा चंद्र कदम, सागर चरण दास, मांगू खिल्ला, सत्यजीत गोमांगो, अशोक कुमार दास, दासरथी गमांगो और सोफिया फिरदौस भी शामिल हैं। अध्यक्ष के फैसले के बाद कांग्रेस सदस्यों ने हंगामा किया और विरोध में घंटी बजाने लगे। देर रात तक विधायक सदन में ही डटे रहे थे। निलंबन के बाद ओडिशा के कांग्रेस प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने विधानसभा के बाहर मीडिया से कहा था, 'देश में महिला सुरक्षा की बात करना कब से अपराध हो गया? ओडिशा में 64000 से ज्यादा महिलाएं लापता हैं। हर दिन गैंगरेप हो रहे हैं। अगर चुने हुए विधायक सरकार से इन मुद्दों पर जवाब मांगते हैं, तो सरकार को किस बात का डर है? हमारे विधायकों को निलंबित करना अलोकतांत्रिक है। हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने आज यानी 27 मार्च को विधानसभा का घेराव और विरोध प्रदर्शन का एलान किया था।

तमिलनाडु विस में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित

एजेंसी/चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा ने गुरुवार को केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया है। इस प्रस्ताव को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पेश किया था। सीएम स्टालिन ने आरोप लगाया है कि इस बिल के कारण मुस्लिमों की भावनाएं आहत हो रही हैं। वहीं, दूसरी ओर भाजपा विधायक वनथी श्रीनिवासन ने विधानसभा में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव का विरोध किया है। वहीं, तमिलनाडु की विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

तमिलनाडु विधानसभा में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए राज्य के सीएम एमके स्टालिन ने कहा- केंद्र सरकार वक्फ विधेयक में संशोधन करने की कोशिश कर रही है, जिससे वक्फ बोर्ड की शक्तियों में बाधा आएगी। इससे मुस्लिमों की भावनाएं आहत हो रही हैं और केंद्र सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है।

लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल पास, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले...

सुरक्षा के लिए खतरा बननेवालों पर रखी जाएगी कड़ी नजर

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल गुरुवार को पास हो गया। गृह मंत्री अमित शाह ने बिल के प्रावधानों पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत में आने के लिए वैध पासपोर्ट, वैध वीजा अनिवार्य होगा। बिना कागजात के भारत में प्रवेश करने पर कानून सम्मत तरीके से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गृह मंत्री ने सख्ती से कहा, जाली दस्तावेजों के लिए कड़ी सजा के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वीजा की अवधि खत्म होने पर भी देश में रहने वालों को ट्रैक किया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद गुरुवार शाम करीब 6:20 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विधेयक पारित होने का एलान किया। पहले स्पीकर बिरला ने विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों पर मतदान की औरचारिकताएं पूरी कीं। विपक्षी सांसदों की तरफ से परेश अधिकांश संशोधन खारिज हो गए। विधेयक पारित होने से पहले लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, इमिग्रेशन कोई आइसोलेटेड मुद्दा नहीं है। देश की सीमा में कौन आता है, कब आता है, कितनी अवधि तक आता है और किस उद्देश्य से आता है, यह जानने का अधिकार देश की सरकार के पास है। गृह मंत्री ने कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है, जो चाहे जिस उद्देश्य से आकर यहां रह जाए। ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 450 किलोमीटर की सीमा बंगाल सरकार की कृपादृष्टि के कारण अभी तक असुरक्षित है, लेकिन ऐसा लंबे समय तक नहीं चलेगा। शाह ने कहा कि वे खुद 10 बार पत्र भेजकर राज्य सरकार से अपील कर चुके हैं, लेकिन सहयोग नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घुसपैठ करने वाले रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों के प्रति सहानुभूति रखती है, उन्हें आधार कार्ड दिए जाते हैं। इन कारणों से देश की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि जो लोग व्यापार, शिक्षा और निवेश के लिए भारत आते हैं, उनका स्वागत है, लेकिन जो हमारी सुरक्षा के लिए खतरा बनेंगे, उन पर कड़ी नजर और सख्त निगरानी होगी। यह विधेयक दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करेगा।

जीरोमाइल के पास में वाहन जांच अभियान में पकड़ा गया लॉटरी

पूर्णिया में दो करोड़ रुपये की अवैध लॉटरी बरामद, ऑटो चालक गिरफ्तार

- 17 बोरा नागालैंड ब्रांड लॉटरी किया गया बरामद
- माल पहुंचाने के लिए ऑटो चालक को दिए गए थे पांच हजार रुपए

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया जिले में अवैध लॉटरी कारोबार के खिलाफ पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान में पुलिस ने करीब दो करोड़ रुपये की अवैध लॉटरी बरामद की। पिछले कई वर्षों से जिले में अवैध लॉटरी का कारोबार फल-फूल रहा था। हालांकि, पुलिस समय-समय पर कार्रवाई करती रही। पिछले दो-तीन वर्षों में यह कारोबार चरम पर पहुंच गया था, जिसके बाद गुलाबबाग टीओपी पुलिस ने इस पर कड़ा प्रहार किया। पुलिस ने वाहन जांच के दौरान जीरोमाइल में ऑटो की जांच की। ऑटो से 17 बोरा नागालैंड ब्रांड लॉटरी बरामद किया गया। साथ ही ऑटो चालक को गिरफ्तार किया गया। बरामद 18 बोरा से 14 लाख 54 हजार पिस लॉटरी है। जो नागालैंड बरामद है। गिरफ्तार चालक की पहचान कस्टम कार्यालय मरियम नगर निवासी सुशील साह के पुत्र मनीष

कुमार साह (19 वर्ष) के रूप में की गई है। मामले की जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि पूर्णिया बस स्टैंड से एक ऑटो से भारी मात्रा अवैध लॉटरी को लोडिंग कर जीरोमाइल की तरफ ले जाने वाला है।

गुप्त सूचना के आधार पर गुलाबबाग टीओपी प्रभारी कुन्दन कुमार टीम में शामिल पुलिस अवर निरीक्षक राजकुमार सहित अन्य पुलिस बल के द्वारा जीरोमाइल में वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के दौरान पूर्णिया की ओर से आ रही एक ऑटो चालक को शक के आधार पर पुलिस बल के द्वारा युवक को रोकने का इशारा किया, लेकिन युवक भागने लगा गुलाबबाग टीओपी प्रभारी कुंदन कुमार गिरफ्तार युवक से पूछताछ की गई तो गिरफ्तार युवक ने बताया कि पटना से 17 बोरा बस पर पूर्णिया बस स्टैंड लेकर आया गया। जहां ऑटो पर लोडिंग कर जीरोमाइल में 10 बोरा लॉटरी अनलोडिंग करना था।

साथ बचे सात बोरा लॉटरी डालकोला मे अनलोडिंग करना था, जिसकी एवज में ऑटो चालक को पांच हजार रुपये दिया गया था। टीओपी प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही छापेमारी कर बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार युवक को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस बल ने खदेड़कर युवक को हिरासत में लिया। सदर एसडीपीओ ने कहा, युवक को हिरासत में लिया गया। ऑटो को जब्त कर जब तलाशी ली गई तो ऑटो से 17 बोरा नागालैंड ब्रांड लॉटरी बरामद किया गया। साथ ही ऑटो चालक को गिरफ्तार किया गया। बरामद 18 बोरा से 14 लाख 54 हजार पिस लॉटरी है, जिसकी मूल्य करीब एक करोड़ 74 लाख के आसपास है।

वहीं दूसरी ओर सदर एसडीपीओ पंकज कुमार शर्मा ने बताया ऑटो चालक के पास से जो मोबाइल बरामद हुआ है। उससे सभी नंबरों की जांच की जा रही है। साथ ही उसका सीडीआर निकाला जा रहा है। यह प्रयास किया जा रहा है कि इस गोरख-धंधे में जो भी लोग शामिल है। उनकी गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जाए। इसके सभी तार को निकाला जाए। इसके साथ जिले में यह व्यापार कहां-कहां चल रहा है। और कौन-कौन लोग शामिल है। इसके बारे में भी टीम गठित कर पूरी जानकारी ली जा रही है। ठोस प्रमाण मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। इसमें किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए टीम गठित कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही सबकुछ खुलकर सामन आ जाएगा।

@सहरसा : तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत

केटी न्यूज/सहरसा

सहरसा जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां पर तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बच्चों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, यह दर्दनाक हादसा जिले के सोनवर्षा राज प्रखंड के काशनगर थाना क्षेत्र के असनही वार्ड नंबर 10 में हुआ है। मृतक बच्चों की पहचान सचिन मुखिया के बेटे अभिषेक कुमार (9) और अनिल मुखिया की बेटी खुशबू कुमारी (7) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अभिषेक और खुशबू शौच के लिए घर के पास स्थित पोखर के किनारे गए हुए थे तभी शौच के दौरान खुशबू का पैर फिसलने से वह गहरे पानी में गिर गई और डूबने लगी। उसका डूबता देख अभिषेक उसे बचाने के लिए पानी में कूद गया और वह भी गहरे पानी में डूब गया। किसानों ने जब बच्चों के शव पानी में देखे, तो इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। लोगों को इसकी जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी गई।इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शवों को नदी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

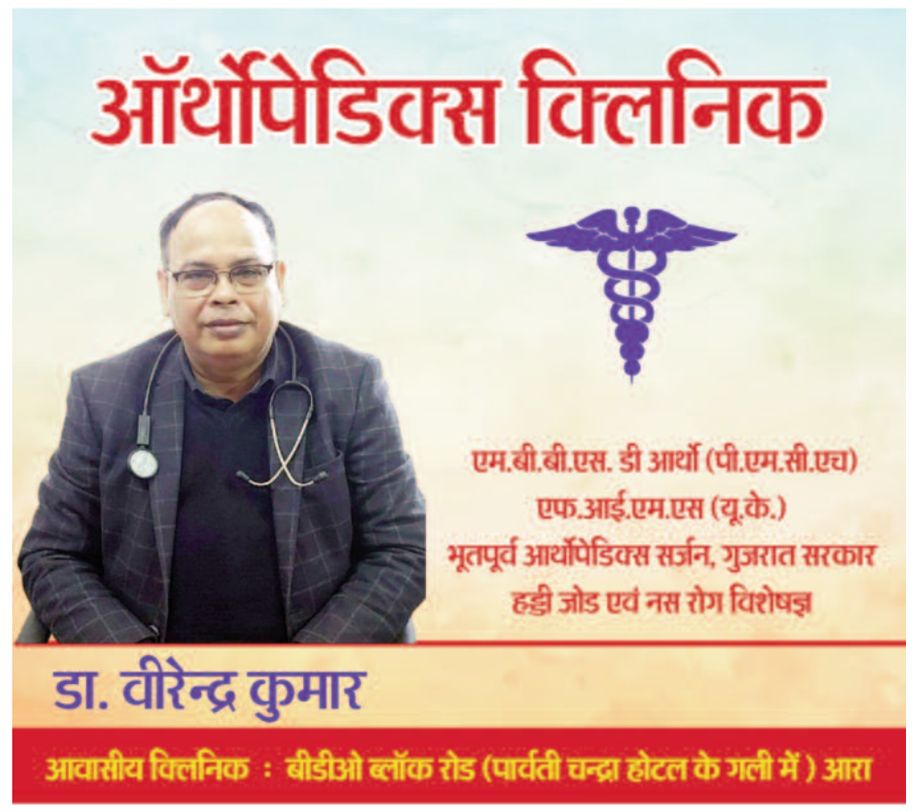

मुजफ्फरपुर में नकली आभूषणों को असली बताकर बैंकों से मोटी रकम लोन दिलाने वाला ठग गिरफ्तार

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

जिले में गोल्ड लोन के नाम पर बैंकों से ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सोनार भोला प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। भोला प्रसाद नकली आभूषणों को असली बताकर बैंकों से मोटी रकम लोन दिलवाने और फिर रकम लेकर फरार होने की साजिश करता था। आपको बता दे कि नगर थाना में पिछले साल दर्ज कांड संख्या-419/24 के अनुसार, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अखाड़ाघाट शाखा के प्रबंधक अखिलेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। बैंक की ओर से मिली शिकायत के मुताबिक अहलादपुर

निवासी राम कुमार ने सोने के आभूषण गिरवी रखकर 1.44 लाख रुपए का लोन लिया था। बैंक की प्रक्रिया के तहत आभूषणों की शुद्धता की जांच के लिए सूचीबद्ध सोनार भोला प्रसाद को जिम्मेदारी दी गई। भोला ने इन गहनों को 100 प्रतिशत शुद्ध बताकर लोन स्वीकृत करा दिया। लेकिन जब राम कुमार ने समय पर लोन नहीं चुकाया, तो बैंक ने आभूषणों को नीलामी की प्रक्रिया में डालने के लिए दोबारा मूल्यांकन कराया। दोबारा मूल्यांकन के दौरान जांच करने वाले सुनार ने चौंकाने वाली सच्चाई उजागर की। गिरवी रखे गए आभूषण नकली थे। बैंक को बड़ा झटका लगा और मामला कोर्ट से तुरंत पुलिस को सौंपा गया। पुलिस ने सोनार भोला प्रसाद को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार कर लिया। वर्षों से वह बैंकों में सोने की शुद्धता जांचने वाले व्यक्ति के रूप में काम कर रहा था। भोला प्रसाद ने कई बार गहनों की फर्जी मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार कर बैंकों से लोन दिलवाया था। फिर लोन लेने वाले लोग रकम लेकर फरार हो जाते और जब बैंक उनकी गिरवी रखी ज्वेलरी को बेचने जाते, तो वह नकली निकलती थी।

अगलगी में जल गए सौ से ज्यादा घर

दरभंगा। जिले में बहेड़ी प्रखंड के चकवा भरवारी पंचायत के बेंता गांव भीषण अगलगी की घटना में सौ से ज्यादा घर जलकर राख हो गए। आग कैसे लगी, यह किसी को पता नहीं चल पाया। लेकिन आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने स्थानीय बोरिंग हैंडपंप और तालाब के पानी से आग पर काबू पाने का काफी प्रयास किया, लेकिन एक भी घर बचा नहीं सके। इस अगलगी की घटना के दौरान लगातार कई सिलेंडर ब्लास्ट हो रहा था, जिससे आग और ज्यादा धधक जा रही थी। इस कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत हो रही थी। सूचना पर पहुंची अग्निशमन विभाग की गाड़ियों ने करीब तीन से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफल हो सके।

15 जिलों के पानी जांच प्रयोगशाला को मिला एनएबीएल सर्टिफिकेट

केटी न्यूज/पटना

हर घर नल जल योजना के जरिए मिलने वाले शुद्ध पेयजल की गुणवत्ता की जांच कराने के लिए राज्य में 115 जल जांच प्रयोगशालाएं हैं। इनमें पानी की हर तरह की गुणवत्ता की जांच कराई जा सकती है। इनमें 15 जिला स्तरीय जल जांच प्रयोगशालाओं को नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज को सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। जिन 15 जिलों की जल जांच प्रयोगशालाओं को एनएबीएल सर्टिफिकेट मिला है, इनमें भागलपुर, आरा, सासाराम, बांका, गया, सहरसा, छपरा, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, बिहारशरीफ, पूर्णिया, पटना, बेगूसराय, शेखपुरा और अररिया की जल जांच प्रयोगशालाओं को एनएबीएल का प्रमाण-पत्र मिला है। वहीं, बक्सर, जहानाबाद और अरवल जिलों की प्रयोगशालाओं का मूल्यांकन जारी है, जबकि बाकी प्रयोगशालाओं को प्रमाणित करने की भी प्रक्रिया चल रही है। प्रयोगशालाओं में निर्धारित 16 मानकों पर पानी की गुणवत्ता की जांच होती है। बिहार की राजधानी पटना स्थित राज्यस्तरीय छज्जूबाग प्रयोगशाला, 38 जिलास्तरीय और अवर प्रमंडलीय 76 प्रयोगशालाओं में कई मानकों पर जांच होती है। इनमें पीएच स्तर, टीडीएस, कंडक्टिविटी, टर्बिडिटी, टोटल हार्डनेस, कुल क्षारीयता सहित अन्य जांच होता है।

कोर्ट रूम की छत अचानक गिरी, बाल-बाल बचे जज

केटी न्यूज/औरंगाबाद

जिले के व्यवहार न्यायालय में गुरुवार दोपहर में उस समय हड़कंप मच गया, जब अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-7 निशित दयाल के चैंबर में छत की सिलिंग (निचली परत) 68 फीट की लम्बाई और फीट चौड़ाई में अचानक टूट कर गिर गई। छत के गिरने से जोरदार आवाज उठा और जज के चैम्बर में धुआं सा भर उठा। उस वक्त न्यायधीश अपने चैंबर में पेशकार के साथ कोर्ट वर्क कर रहे थे। इसी दौरान यह घटना घटी, जिसमें न्यायधीश बाल-बाल बच गए।हादसे के बाद अनहोनी टलने के बावजूद न्यायधीश और पेशकार काफी भयभीत दिखे। हादसे को लेकर अधिवक्ताओं ने भवन निर्माण विभाग के प्रति गहरा आक्रोश जताया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही प्रधान जिला जज राजकुमार सहित अधिकांश न्यायधीशों और अधिवक्ताओ ने एडीजे से मिलकर घटना की जानकारी ली। इसके बाद घटना की जानकारी औरंगाबाद नगर थाना और भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को दी।सूचना मिलते ही औरंगाबाद नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र सिंह तथा भवन निर्माण विभाग के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी ली। इस दौरान न्यायाधीशों ने भवन निर्माण विभाग के प्रति नाराजगी जाहिर की।

दिल्ली से शुरू हुआ ऑडिशन का सफर मुंबई और वाराणसी के बाद अब पटना पहुंचा

थम्स अप माटी के लाल सुपरस्टार हुआ ऑडिशन, 24 प्रतिभागियों का होगा चयन

केटी न्यूज/पटना

पसंद टीवी प्रतुस्ती भोजपुरी सिंगिंग रियलिटी शो थम्स अप माटी के लाल सुपरस्टार का ऑडिशन भारत के अलग-अलग शहरों में किया जा रहा है। दिल्ली से शुरू हुआ यह सफर मुंबई और वाराणसी के बाद अब पटना पहुंच चुका है। पटना के इस ऑडिशन में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

शो के जज विजय चौहान, शिल्पी राज, मनोहर सिंह और अमृता दीक्षित ने बारीकी से सभी प्रतिभागियों का चयन किया। इस मंच पर पूरे भारत से कलाकार अपनी गायकी की प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे मेगा ऑडिशन के लिए सिर्फ 24 प्रतिभागियों का चयन करना जजों के

लिए एक कठिन चुनौती साबित हो रही है। थम्स अप माटी के लाल सुपरस्टार का लाल अपनी माटी के खुशबू के साथ पारंपरिक गीतों पर आधारित शो का बहुत ही ग्रैंड एवं लेविस भव्यता के साथ ऑडीशन का शूटिंग हो रहा है, 21 मार्च से शो पसंद टीवी पर प्रसारित हो रहा है, थम्स अप माटी के लाल सुपरस्टार सप्ताह में दो दिन शुक्रवार एवं शनिवार रात 8 बजे केवल पसंद टीवी पर आ रहा है। शो के प्रोड्यूसर कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि यह शो भोजपुरी रियलिटी शोज में एक नई मिसाल कायम करेगा। प्रतिभागियों में इस शो को लेकर जबरदस्त उत्साह है क्योंकि पहली बार भोजपुरी भाषा में इतना बड़े स्तर पर गायन प्रतिभाओं को मंच दिया जा रहा है। जो भी प्रतिभागी मुंबई मेगा ऑडिशन के लिए चयनित हो रहे हैं, इसको लेकर विजय चौहान ने कहा कि भोजपुरी संगीत को नया आयाम देने के लिए यह शो एक बेहतरीन मंच है। पटना के ऑडिशन में जबरदस्त टैलेंट देखने को मिला। हम उम्मीद करते हैं कि यह शो भोजपुरी इंडस्ट्री में एक मिसाल बनेगा और नए कलाकारों को बड़ा मंच देगा।

मनोहर सिंह (गायक) ने कहा कि प्रतिभागियों की लगन और मेहनत देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं। जिनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। हमें 24 बेहतरीन आवाजों को चुनना है, जो अपने आप में बहुत मुश्किल काम है। अमृता दीक्षित ने कहा कि पटना में जिस तरह से युवा कलाकारों ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा, वह वाकई काबिले तारीफ है।

बक्सर में बोलेरो से 75.8 लीटर अवैध शराब जब्त, तस्कर फरार

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मित्रलोक कॉलोनी में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बोलेरो से 75.8 लीटर शराब जब्त की है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने जब संदिग्ध हालत में खड़ी बोलेरो की तलाशी ली, तो बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार, तस्कर बोलेरो में शराब की तस्करी कर रहे थे, लेकिन छापेमारी के दौरान वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बोलेरो और जब्त शराब को कब्जे में ले लिया है। वहीं, फरार तस्करों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। मुफस्सिल चौकी प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि जब्त शराब उत्तर प्रदेश से तस्करी कर लाई गई थी और इसे स्थानीय बाजार में खपाने की तैयारी चल रही थी। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और तस्करी को विफल कर दिया। पुलिस ने कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ससमय व पारदर्शी तरीके से करें कांडों का पर्यवेक्षण: एसपी

- एसपी ने किया डुमरांव एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

एसपी शुभम आर्य ने गुरूवार को डुमरांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यवेक्षण संबंधित फाईलों के साथ ही सिरिस्ता आदि का निरीक्षण किया तथा कई आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने एसडीपीओ, सर्किल इंस्पेक्टर और थानाध्यक्षों के साथ बैठक कर लंबित कांडों की समीक्षा भी की तथा कांडो का निष्पादन व पर्यवेक्षण समय से तथा पारदर्शी तरीके से करने का निर्देश दिया।

एसपी ने इस दौरान कहा कि लोगों को न्याय दिलाना पुलिस का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि कांडो का पर्यवेक्षण व इनवेस्टिगेशन पारदर्शी तरीके से कर ही पुलिस पीड़ितो को न्याय दिला सकती है। निरीक्षण में सभी थानाध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा के साथ ही अनुमंडल के अन्य महत्वपूर्ण अभिलेखों की समीक्षा की गई। एसपी ने सभी शीर्ष कांडो के निष्पादन पर एसडीपीओ के द्वारा थानावार जाकर समीक्षा करने का निर्देश दिया। वहीं शराब तस्करी और बालू के खिलाफ अभियान जारी रखने तथा बेहतर ढंग से कार्यवाही और बड़ी रिकवरी करने को निर्देशित किया।

अपराध नियंत्रण व तस्करी रोकने के लिए उठाए ठोस कदम : इस दौरान एसपी ने कहा कि अपराध नियंत्रण व तस्करी रोकने के लिए पुलिस ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए जरूरी है कि पुलिस गश्त तेज किया जाए तथा फरार अपराधियों, वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए तथा शराब व मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए तस्करों को गिरफ्तार किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कार्यालय में रखे रिकॉर्ड, अपराध से जुड़े दस्तावेज, केस डायरी, लंबित मामलों की स्थिति और अपराध के आंकड़ों की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को लंबित मामलों का जल्द निपटारा करने के निर्देश दिए। एसपी ने थानाध्यक्षों और सीआई को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्रों में गश्त बढ़ाएं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करें।

पुलिसिंग को प्रभावी बनाने का उद्देश्य

" यह वार्षिक निरीक्षण पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने और अपराध नियंत्रण के उपायों को मजबूती देने के उद्देश्य से किया गया है। इस दौरान सभी अधिकारियों को कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने, अपराधों की रोकथाम और जनता के प्रति संवेदनशील रहने के निर्देश दिए गए हैं।

- शुभम आर्य, एसपी, बक्सर

खबरें फटाफट

वारंटी गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के सरौरा डेरा गांव से गुरुवार को एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटी श्रीरामपुर गांव निवासी उमेश यादव के खिलाफ वारंट जारी किया था। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि वह बहुत दिनों से फरार चल रहा था। गिरफ्तार वारंटी को पुलिस ने आरा कोर्ट भेज दिया जो भोजपुर जिला के धनगाइ थाना के एक कांड में पूर्व से आरोपित था।

दो फरार शराब तस्कर गिरफ्तार

नावानगर। स्थानीय थाना व सोनवर्षा थाना ने पुलिस ने अलग-अलग शराब कांड के दो फरार अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। नावानगर थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना पर केसठ महादलित बस्ती में छापेमारी की गई। जहां से शराब कांड के प्राथमिकी अभियुक्त संतोष मुशहर को गिरफ्तार किया गया। वहीं, सोनवर्षा थाना के पुलिस ने दावथ थाना क्षेत्र के इटावा गांव में छापेमारी कर वर्ष 2024 के शराब तस्करी कांड के प्राथमिकी अभियुक्त बब्लू कुमार को उसके घर से धर दबोचा। आरोपी शराब के धंधे में संलिप्त पाया गया था।

डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में संपन्न हुई जिला टीबी फोरम की बैठक

जिले के सभी 136 पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने का निर्धारित करें लक्ष्य: जिलाधिकारी

- डीएम ने की पीएम टीबी मुक्त भारत के तहत कार्यक्रमों की समीक्षा
- प्राइवेट सेक्टर में नोटिफाइड मरीजों को शत प्रतिशत लाभ दिलाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान और टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रमों की समीक्षा को लेकर गुरुवार को जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला टीबी फोरम की बैठक संपन्न हुई। इस क्रम में जिलाधिकारी ने टीबी मुक्त पंचायत पहल कार्यक्रम की समीक्षा की। जिसमें पाया गया कि जिले में अब तक 57 पंचायतों को टीबी मुक्त किया गया।

इनमें 54 पंचायत को कांस्य पदक और तीन पंचायतों को रजत पदक के लिए नॉमिनेट किया गया है। इसपर जिलाधिकारी ने अगले वर्ष जिले के सभी 136 पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश दिया। इसके लिए सिविल सर्जन और जिला यक्ष्मा पदाधिकारी को प्रत्येक माह समीक्षा कर रिपोर्ट जमा करने को लेकर निर्देशित किया गया।

साथ ही, जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का निक्षय आईडी खोलने का निर्देश दिया, ताकि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अपने स्तर से टीबी के मरीजों का डिटेल पोर्टल पर चढ़ा सकें। इससे पोर्टल पर मरीजों का डिटेल इंट्री करने में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि पूरे जिले को टीबी मुक्त करने के लिए जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक के अधिकारियों और कर्मियों को एक टीम की तरह कार्य करना होगा।

बक्सर में एआरटी सेंटर खोलने की शुरू करें प्रक्रिया : इस दौरान जिला पदाधिकारी को बताया गया कि जिले में टीबी मरीजों की जांच में बढ़ोत्तरी हुई है। इस क्रम में लक्षण वाले मरीजों की जांच में टीबी की पुष्टि होने के बाद उनमें एचआईवी और डायबिटीज की भी जांच की जाती है। जिले में टीबी के 65 ऐसे इलाजरत मरीज हैं, जिनमें एचआईवी की पुष्टि हुई है। इनमें 28 मरीजों का इलाज आरा के एआरटी सेंटर के माध्यम से कराया जा रहा है। साथ ही, 495 टीबी मरीजों में डायबिटीज के लक्षण पाए गए हैं। इनमें 290 मरीजों का एडीटी के माध्यम से इलाज कराया जा रहा है।इस पर जिला पदाधिकारी ने सिविल सर्जन को बक्सर जिले में एआरटी सेंटर खोलने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। कहा कि बक्सर सदर अस्पताल में एआरटी सेंटर खुलता है तो मरीजों को बाहर जाने की परेशानी से मुक्ति मिल जाएगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित : बैठक के अंत में टीबी मुक्त पंचायत पहल कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला पदाधिकारी ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इनमें ब्रह्मपुर बीडीओ, नावानगर बीडीओ, राजपुर बीडीओ, चौसा एमओआईसी, इटाढी एमओआईसी, केसठ एमओआईसी, सदर बीएचएम, सिमरी एसटीएलएस, ब्रह्मपुर एसटीएलएस व डीटीसी के डाटा ऑपरेटर, डीपीसी व हेड क्लर्क को सम्मानित किया गया। डीएम ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए और भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर सिविल सर्जन, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, डब्ल्यूएचओ के एनटीपी कंसलटेंट, पीरामल के डीसी, सीएफएआर के एसपीए समेत डीटीसी के कर्मीगण मौजूद रहे।

निजी अस्पतालों की नियमित करें समीक्षा

जिलाधिकारी ने निजी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा नोटिफाइड मरीजों को निक्षय पोषण की राशि डीबीटी करने की प्रक्रिया धीमी पाई गई। इसपर जिला पदाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की। साथ ही, उन्होंने सख्ती के साथ निजी स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से नोटिफाइड मरीजों को सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाएं और राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। ताकि, मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। जिलाधिकारी ने निजी स्वास्थ्य संस्थान विशेषकर डुमरांव प्रखंड अंतर्गत मेथोडिस्ट अस्पताल की प्रत्येक माह समीक्षा करते हुए जिला समेत अन्य जिले के टीबी के इलाजरत मरीजों को निक्षय पोषण की राशि डीबीटी में माध्यम से भेजना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

लाधुपुर के समीप ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दंपति की मौत

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लाधुपुर गांव के पास ट्रक व बाइक की टक्कर में बाइक सवार दंपति की मौत हो गई है। मृतक दंपति राजपुर थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव के रहने वाले है। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, राजपुर थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव निवासी नरेंद्र शर्मा (45), जो वर्तमान में अखौरीपुर गोला में रहते थे, अपनी पत्नी कंचन देवी (42) के साथ बाइक से बक्सर जा रहे थे। जब वे लाधुपुर नारा पहुंचे, तो उनकी बाइक आगे जा रही ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान पीछे से आ रही ट्रक ने कंचन देवी को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने यह दृश्य देखा और तुरंत घायल नरेंद्र शर्मा को सदर अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

सदर अस्पताल पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने घायल नरेंद्र शर्मा की स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। इस हादसे से परिवार में मातम पसर गया है। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया था। महिला का खून से लथपथ शव देख राहगीरों में भगदड़ मच गई थी। वहीं, मौके पर पहुंचे स्वजनों के क्रंदन चित्कार से इलाके का माहौल गमगीन हो गया था। देर तक परिजन रोते चिखते रहे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें किसी तरह से समझा बुझाकर शांत कराया तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

राजपुर में दो बाइक की टक्कर, दो जख्मी

केटी न्यूज/राजपुर

थाना क्षेत्र के चौसा-कोचस मार्ग पर स्थित राजपुर बाजार के पास दो बाइकों की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार दो युवक बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वरा घायलों को उठाकर सीएचसी ले जाया गया। जहा स्थिति गम्भीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।

बताया जाता है कि औधोगिक थाना के दलसागर निवासी विकास कुमार एवं सुमित कुमार अपने दोस्तों के साथ अलग-अलग बाइकों पर सवार होकर रोहतास जिले के गुप्ता धाम बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक राजपुर के समीप पहुंची, उसी समय अचानक से एक बाइक सड़क पार कर रहा था, जिससे टकरा गया। इस घटना में बाइक सवार दोनो युवक गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया दो बाइक आपस मे टकरा गई थी। इस घटना में दो युवक घायल हो गए है।

चौसा व पवनी पैक्स चुनाव का नामांकन संपन्न, चुनाव की तैयारी में जुटे प्रत्याशी

- चौसा पैक्स में अध्यक्ष के लिए दो व सदस्य पद पर 19, पवनी पैक्स में अध्यक्ष पद पर पांच व सदस्य पद के लिए 15 ने किया है नामांकन

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत व पवनी पंचायत के प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन उम्मीदवारों ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। अंतिम दिन दोनों पैक्स में नामांकन के लिए प्रत्याशियों की भारी भीड़ देखने को मिली।

नामांकन के अंतिम दिन पवनी पैक्स से अध्यक्ष पद पर केवल एक नामांकन रूपा कुमार सिंह ने नामांकन दाखिल किया गया। जबकि सदस्य पद पर नौ अभ्यर्थियों वही, चौसा में केवल सदस्य पद पर 15 ने नामांकन किया गया। इस तरह चौसा नगर पैक्स में अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, जबकि सदस्य पद के लिए कुल 19 प्रत्याशी मैदान में उतरे हैं। वहीं, पवनी पैक्स में अध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश की, जबकि सदस्य पद के लिए 15 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। इस दौरान नामांकन स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि अब 28 व 29 को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी जबकि, दो को नाम वापसी और निर्धारित तिथियों के अनुसार आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। गौरतलब है कि पैक्स चुनाव को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है।

आगामी विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीट जिताने का आह्वान, बोले अनिल कुमार...

राजपुर विस में इस बार फहरेगा नीला झंडा

केटी न्यूज/राजपुर

बहुजन समाज पार्टी, राजपुर विधानसभा के तत्वावधान में गुरुवार को स्थानीय प्रखंड मुख्यालय के मैदान में प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यकम में बतौर मुख्य अतिथि बसपा के प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत बाबा साहब और कांशीराम साहब के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजपुर विधानसभा अध्यक्ष सरोज साधु एवं संचालन कमलेश राव ने किया।

बसपा प्रभारी अनिल कुमार ने कहा कि सरकार एकल सिस्टम लागू कर दलित, शोषित, वंचित के अधिकारों को छीनने का प्रयास करना चाह रही है। नौकरियों में आरक्षण को खत्म किया जा रहा है, वर्गीकरण की बात की जा रही है। दलित, पिछड़े, अति पिछड़ों के बच्चों की पढ़ाई चौपट हो चुकी है। डबल इंजन की सरकार वन नेशन वन इलेक्शन की बात करती है, लेकिन बहुजन समाज पार्टी वन नेशन वन एजुकेशन की बात करती है। बसपा बाबा साहब के सपनों को पूरा करना चाहती है। इसलिए आज हमलोग अपने कार्यकताओं को संगठित रह कर आगामी चुनाव में अपने हक और अधिकार के लिए बहुजन समाज पार्टी को बिहार में ज्यादा से जायद सीट पर जितने का आह्वान करते है।

अनिल कुमार ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी और अपने बहुजन समाज के सहयोग से बिहार में सत्ता की चाभी अपने पास रखेगी। पार्टी का किसी के साथ गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस की विचारधारा हमारे विचारों से मेल नहीं खाती है, एक सांपनाथ तो दूसरा नागनाथ है। इन दोनों के विचारधारा से दूर रहकर बहुजन समाज पार्टी आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पटना में बैठ कर कहते है सड़के बन गई है तो उन्हें राजपुर में आकर देखना चाहिए कि यहां सड़कों की क्या स्थिति है। आज भी यहां की जनता रोटी, कपड़ा और मकान के लिए सरकार की तरफ देख रही है। आज भी लोग झोपड़ी में रहने को मजबूर है, उन्हें पक्का मकान नसीब नहीं हुआ है।

मौके पर जिलाध्यक्ष सुभाष गौतम, शिवबहादुर पटेल, जेपी यादव, मंजी यादव के साथ सभी बूथ कमिटी, सेक्टर कमिटी, विधानसभा कमिटी के साथ हजारों की संख्या में कार्यकर्ता वर्मा समर्थक मौजूद थे।

जांच की पेंच में फंसा सरकारी स्कूलों में लगे समरसेबल का भुगतान, संवेदक लगा रहे हैं चक्कर

- लगातार दूसरे दिन भी संवेदकों के लंबित भुगतान नहीं हो सका रास्ता साफ
- कार्य पूर्ण होने के छह माह बाद भी नहीं हो सका है भुगतान, 31 मार्च को समाप्त हो जाएगा वित्तीय वर्ष

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग की कार्यशैली हमेशा सुर्खियों में रहती है। इस बार सरकारी स्कूलों में लगे समरसेबल के भुगतान में जांच का पेंच फंसने से विभाग एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। स्कूलों में समरसेबल लगा पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने वाले संवेदक भुगतान के लिए पिछले छह महीने से शिक्षा विभाग के अधिकारियों के पास दौड़ लगा रहे है, वहीं पिछले दो दिनों से वे जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिलने के लिए कार्यालय आ रहे है, लेकिन न तो मुलाकात हो पाई और न ही उनके बकाये विपत्र के भुगतान की दिशा में विभाग ने कोई ठोस कदम उठाया है। जबकि 31 मार्च को वित्तीय वर्ष समाप्त हो जाएगा। जिसके बाद भुगतान होना मुश्किल हो जाएगा।

बता दें कि इस वित्तीय वर्ष में जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में समरसेबल, चाहरदीवारी निर्माण, बिजली मरम्मति सहित कई अन्य विकास के कार्य कराए गए है। लेकिन, कार्य पूर्ण होने के बाद भी करीब छह माह से विभाग द्वारा संवेदकों को निर्धारित राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इसी भुगतान के लिए संवेदक जिला शिक्षा कार्यालय का चक्कर लगा रहे है। नाराज संवेदकों ने डीईओ के खिलाफ डीएम को आवेदन दिया है।

संतुष्टिपूर्ण होने के बाद ही अनुशंसा की जाएगी : इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (सर्व शिक्षा अभियान) शारिक अशरफ ने बताया कि संवेदक जब भी कार्य दिया गया था उसी समय अभियंताओं को निर्देश दिया था कि उनकी देखरेख में कार्य पूर्ण होगा। संतुष्टिपूर्ण कार्य होने के बाद ही भुगतान की अनुशंसा की जाएगी। भविष्य में कार्य में किसी तरह की परेशानी नहीं हो। इसके लिए संवेदकों से शपथ पत्र भी लिया गया था।

वहीं डीपीओ (लेखा योजना) चंदन द्विवेदी ने बताया कि संवेदकों के भुगतान से संबंधित फाइल मार्च के अंतिम सप्ताह में भेजा गया। इसमें भौतिक सत्यापन के बाद भुगतान इंगित है। जिस कारण भुगतान में विलंब हो रहा है। वहीं, संवेदकों का स्पष्ट कहना है कि उनके भुगतान को जानबूझकर लंबित किया जा रहा है, ताकि वित्तीय वर्ष समाप्त हो जाए और राशि लौट जाए।

भौतिक जांच के पेंच में फंसा है भुगतान

संवेदक कविंद्र कुमार सिंह, पुनित कुमार सिंह, दीपक पाठक, शुभम तिवारी, बिट्टू चौबे, हरिओम यादव, अभिषेक कुमार पांडेय सहित अन्य ने बताया कि जिला शिक्षा कार्यालय के आदेश पर ही उनलोगों ने कार्य कराया था। मानक के अनुसार विद्यालयों में सिविल वर्क पूर्ण कराया गया था, इसके बाद कनीय व सहायक अभियंता ने जांच कर भुगतान की अनुशंसा किए थे। अंतिम रूप में जब जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र पांडेय के यहां फाइल भेजा गया तो वे टाल-मटोल करने लगे तथा मार्च के अंतिम समय में भुगतान के लिए डीपीओ (लेखा-योजना) चंदन द्विवेदी के पास भेजा तथा भुगतान से पूर्व भौतिक सत्यापन का पेंच फंसा दिया। जिस कारण मामला लंबित हो गया है।

खबरें फटाफट

सरस्वती विद्या मंदिर में आचार्य कार्यशाला का आयोजन

नावानगर। भारतीय शिक्षा समिति व शिशु शिक्षा प्रबंधन समिति पटना के कार्य योजना के तहत सोनवर्षा शिव कुमारी कुमारी सरस्वती विद्या मंदिर में त्रि-दिवसीय आचार्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं विद्यालय शिक्षा समिति के चौधरी सुदामा सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यशाला में पिछले सत्र की समीक्षा एवं नए सत्र में आयोजित विद्यालय स्तर से लेकर अखिल भारतीय स्तर तक होने वाले प्रतियोगिताओं पर चर्चा एवं विद्यालय के उत्कृष्ट परिणाम कैसे आए शैक्षणिक स्तर में और सुधार कैसे हो इसको लेकर चर्चा की गई। आचार्य कार्यशाला के प्रथम दिन चौधरी सुदामा ने बताया कि किस प्रकार से अपना स्कूल जिले का सबसे अच्छा विद्यालय बन सकता है। इसके लिए हम सभी विद्यालय परिवार को मिलकर के कार्य करने की जरुरत है। इसके बाद अन्य विषयों पर चर्चात्मक सत्र हुए इसके बाद प्रथम दिवस का कार्यशाला संघ प्रार्थना एवं शारीरिक के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि तीन दिवसीय आचार्य कार्यशाला 27 से 29 मार्च तक चलेगी।

डॉक्टरों का तीन दिवसीय हड़ताल शुरू, पहले दिन सरकारी अस्पतालों में पसरा रहा सन्नाटा

सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा पूरी तरह ठप, बैरंग लौटे सभी मरीज

- डॉक्टरों व कर्मियों की कमी पूरी होने तक बायोमेट्रिक पर रोक, सुरक्षा जैसे मांग शामिल
- बिहार हेल्थ सर्विस एसोसिएशन (बीएचएसए) के आह्वान पर आयोजित हुआ है हड़ताल

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों से जबरन बायोमेट्रिक हाजिरी बनवाने, डॉक्टरों को सुरक्षा, अस्पताल परिसर में उनके लिए आवास बनवाने सहित कई अन्य मांगों के समर्थन में बिहार हेल्थ सर्विस एसोसिएशन (बीएचएसए) के आह्वान पर राज्यव्यापी अभियान के तहत सरकारी अस्पताल के डॉक्टर गुरूवार से तीन दिवसीय हड़ताल पर चले गए है।

डॉक्टरों के हड़ताल पर चले जाने से सदर अस्पताल, डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल समेत जिले के सभी सीएचसी व पीएचसी में ओपीडी सेवा पूरे दिन बंद रही, जिस कारण ओपीडी में इलाज कराने वाले मरीजों को बैरंग लौटना पड़ा। हालांकि, इस दौरान इमरजेंसी सेवा जारी रही।

हड़ताली डॉक्टरों का कहना है कि सरकार उनकी वेतन, सुरक्षा और स्टाफ की कमी जैसी समस्याओं का समाधान नहीं कर रही है। इसके अलावे उनसे जबरन बायोमेट्रिक लगवाया जा रहा है। सरकार उनके आवास की व्यवस्था भी नहीं कर रही है। डॉक्टरों ने बायोमेट्रिक हाजिरी को तुगलगी फरमान बताया और कहा कि डॉक्टरों को आवास व सुरक्षा की गारंटी सरकार को लेनी होगी। इस दौरान सदर अस्पताल में सैकड़ो की संख्या में मरीज निराश हो वापस लौटे है। कई मरीज ऐसे थे जो काफी दूर दराज से आए थे। मरीजों का कहना था कि उन्हें नहीं पता था कि डॉक्टर हड़ताल पर है। तेज धूप व लू के बावजूद बड़ी संख्या में मरीज सदर अस्पताल में आए थे, जो दोपहर तक इंतजार के बाद भरी दुपहरी वापस अपने घर लौटे। गुरूवार को सदर अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों की संख्या काफी अच्छी थी। ओपीडी सेवा बाधित से सामान्य मरीजों को खासा परेशानी हो रही है। खासकर गांवों व दूर दराज के ऐसे मरीज जो सरकारी अस्पतालों पर निर्भर है, ऐसे मरीज ओपीडी सेवा बाधित है।

बीएचएसए के साथ खड़े है सभी डॉक्टर: डॉ. बिरेन्द्र राम

डुमरांव के हड्डी रोग विशेषज्ञ सह भासा के सदस्य डॉ. बिरेन्द्र राम ने कहा कि सरकार बायोमेट्रिक के नाम पर डॉक्टरों को प्रताड़ित कर रही है। जबकि डॉक्टरों को सुरक्षा देने, ड्यूटि निश्चित करने पर उदासीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बीएचएसए ने सरकार से पहले ही मांग किया है, जिस पर अभी तक सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। सभी डॉक्टर भासा के साथ खड़े है।

सरकारी अस्पतालों में है डॉक्टरों की घोर कमी - डॉ. सुमित सौरभ

बीएचएसए के कार्यपालक सदस्य सह डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के अथोर्पेडिक डॉ. सुमित सौरव ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों व चिकित्साकर्मियों की घोर कमी है। कर्मियों के अभाव में डॉक्टरों को कई-कई घंटे लगातार ड्यूटि करना पड़ रहा है। सरकार को डॉक्टरों व चिकित्साकर्मियों की कमी पूरा करने तक बायोमेट्रिक पर रोक लगाना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर जल्दी ही भासा चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

जिले में ठप रहा ओपीडी

बिहार हेल्थ सर्विस एसोसिएशन के आह्वान पर गुरूवार से शुरू हुआ तीन दिवसीय हड़ताल पूरे जिले में प्रभावी है। सभी अस्पतालों में ओपीडी सेवा बंद रही है। सभी डॉक्टर इस हड़ताल को समर्थन दे रहे है। सरकार को हमारी मांगे पूरी करनी ही पड़ेगी।

- डॉ. गिरिश कुमार सिंह, वाइस प्रेसिडेंट, भासा बक्सर

बकाये राशि की मांग को ले शिक्षकों ने सीएम सहित मंत्री का फूंका पुतला

केटी न्यूज/डुमरांव

- अनुदान का अविलंब भुगतान करने के साथ सार्वजनिक रूप से माफी मांगें मंत्रीगण

डुमरांव स्थित इंटर कॉलेज परिसर में उत्तीर्ण छात्रों के संख्या पर मिलने वाले अनुदान भुगतान में 10 वर्षों से हो रही देरी को लेकर शिक्षक आक्रोशित हो गये। गुरुवार को कॉलेज परिवार की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी तथा शिक्षा मंत्री सुनील कुमार का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। महाविद्यालय परिवार का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से छात्रों के उत्तीर्णता के आधार पर उन्हें जो अनुदान राशि दी जानी थी, वह कई वर्षों से लंबित है।

बावजूद इसके राज्य सरकार की ओर से अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उल्टा मंत्रीगण इस संवेदनशील मुद्दे पर तरह-तरह के गैर-जिम्मेदाराना और उल-जुलूल बयान देकर उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। इस घटना से शिक्षक काफी आहत हुए हैं। इसके कारण शिक्षक विरोध करने को मजबूर हुए हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि बकाया अनुदान का अविलंब भुगतान किया जाए और मंत्रीगण सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। अगर मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान प्रभारी प्राचार्य प्रो. सत्यनारायण मिश्रा, डॉ. धन जी पाठक, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. आनंद ओझा, प्रो. निशा जायसवाल, मुकुल गौतम, कमला कांत त्रिपाठी, प्रो. सुभाष सिंह, नन्दा सिंह, बाल्मीकि दूबे, ओम प्रकाश गुप्ता और मनोज प्रभाकर सहित कई शिक्षक एवं कर्मी मौजूद रहे।

एक अप्रैल से शुरू होगा चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान, व्रतियों की उमड़ेगी भीड़

केटी न्यूज/डुमरांव

सूर्योपासना का महापर्व चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान चैत्र शुक्ल चतुर्थी में एक अप्रैल मंगलवार को नहाय-खाय से शुरू होगा। छठ करने वाले व्रती इस दिन पवित्र गंगा नदी, पोखरों या अपने घरों में गंगाजल मिलाकर स्नान, पूजा के बाद प्रसाद के रूप में अरवा चावल, सेंधा नमक से निर्मित चना की दाल, लौकी की सब्जी, आंवला की चटनी आदि ग्रहण कर चार दिवसीय अनुष्ठान का संकल्प लेंगी। इसके अगले दिन खरना मनाया जाता है। वहीं, शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को संध्या अर्घ्य दिया जाता है। जबकि, सप्तमी तिथि को उगते सूर्य देव को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व का समापन होता है।

महापर्व को लेकर अनुमंडल क्षेत्र में प्रशासनिक तैयारी शुरू हो गयी है। घाटों की सफाई, लाइटिंग, बैरिकेडिंग के साथ सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो सके। चैती छठ का प्रारंभ एक अप्रैल को नहाय-खाय से होगा। दो अप्रैल को खरना का व्रत होगा, जिसमें व्रती गुड़ और चावल की खीर, रोटी और फल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा, जिसमें व्रती बिना अन्न और जल ग्रहण किए उपवास करेंगे। तीन अप्रैल को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे और अगले दिन चार अप्रैल को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही यह महापर्व संपन्न होगा। छठ पूजा में छठी मइया और सूर्य देव की आराधना की जाती है। इस व्रत को लेकर चैती छठ करने वाले व्रती अपनी तैयारी शुरू कर दी है। शहर के छठिया पोखरा पर श्रद्धालुओं की भीड़ होती है। अनुमंडल प्रशासन भी छठ व्रत को लेकर वहां श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं मुहैया कराता है।

जनता एग्रीमेंट पद यात्रा: बैठक में समाजिक समरसता लाने पर विचार

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर खेल मैदान के सामुदायिक भवन में दलित, महादलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, अल्पसंख्यक, फुटपाथी संघ की बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के पूर्व डुमरांव विस प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने कहा कि डुमरांव विधानसभा में 14 अप्रैल से जनता एग्रीमेन्ट पद यात्रा शुरू की जाएगी।

यात्रा में सभी समुदाय के लोग मौजूद रहेगे और विधान सभा की जनता से अपील करेंगे की जो उम्मीदवार झुठा वादा करे उसे बाईकाट करे, वैसे नेताओं को बोलिए की लिखित गारन्टी दे, जब हम पांच सौ का मोबाइल का चार्जर खरीदते है तो उसकी गारन्टी मागते है तो पांच साल के लिए जो विधायक बनेगा उससे भी गारंटी लेना होगा की वो काम करेगा या नहीं। जनता ऐग्रीमेन्ट पद यात्रा का डुमरांव विधानसभा की जनता के लिये एक नई सोंच और सकरात्मक राजनैतिक का पहल है। पिछड़ा, अति पिछड़ा, महादलित, दलित, अल्पसंख्यक, फुटपाथी संघ के लिए मैं उनके हक की लड़ाई के लिए खड़ा हूं। बैठक की अध्यक्षता डुमरांव जदयू पूर्व अध्यक्ष बीरेन्द्र कुशवाहा, संचालन फुटपाथी संघ अध्यक्ष मिन्टू हाशमी ने किया व धन्यवाद ज्ञापन सत्यनारायण ठाकुर ने किया। बैठक में मिथिलेश कुशवाहा, रामावती देवी, शान्ती देवी, मुसाफिर सिंह, उपेंद्र चौधरी, सुरेश राम, सुग्रीम राम, राजीव रंजन व अन्य मौजूद थे।

कोचिंग संचालक मनीष सर ने परीक्षा में बेहतर अंक लाने वाले छात्रों को किया सम्मानित

इंटरमीडिएट आर्ट्स में डुमरांव के आर्ट्स मास्ट्री के छात्रों ने लहराया प्रतिभा का परचम

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार बोर्ड द्वारा आयोजित इंटर वार्षिक परीक्षा में आर्ट्स मास्ट्री (मनीष सर) डुमरांव के छात्र-छात्राओं ने जिले में परचम लहराया है। इस वर्ष डुमरांव के आर्ट्स में प्रथम स्थान शालू पांडेय ने 441 अंक प्राप्त किया है। वहीं, जूही गुप्ता ने 432 सोनी मिश्रा 413 जूही मिश्रा 407 श्वेता प्रधान 402 दिव्या गुप्ता 402 अनामिका कुमारी 374 ब्यूटी कुमारी 349 कृषिका कुमारी 333 रौनीत कुमार 322 खुशी कुमारी 320 नीरज कुमार 310 प्रिया कुमारी 310 विकास कुमार 306 राधा गुप्ता 301 लक्ष्मी कुमारी 300 सहित कई छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया है। कोचिंग संचालक मनीष सर ने इन्हें बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

इस अवसर पर, छात्रों ने अपनी सफलता के पीछे की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष किया। अतिथियों ने छात्रों को प्रेरित और मार्गदर्शित करते हुए उन्हें जीवन में कठिन परिश्रम करने की सलाह दी और कहा कि आज के कठिन प्रतियोगी चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी है छात्र-छात्राएं सही दिशा व उचित मार्गदर्शन में कठिन परिश्रम करें, तभी वे अपने जीवन में सफल हो सकते है। अतिथियों ने इंटरमीडिएट परीक्षा में बेहतर अंक लाने वाली छात्राओं को बधाई भी दी। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उन्हें भविष्य में भी ऐसी ही उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन ने छात्रों को उनकी मेहनत के लिए सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का भी काम किया।

मौक पर अजितेश सर, मिस्टर मनोज, संतोष सर के अलावे कई अन्य गणमान्य व दर्जनों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

पीएचईडी विभाग का कार्यालय 60 वर्षों से हो रहा है संचालित

रेलवे ने पीएचईडी को जमीन खाली करने का भेजा नोटिस

- रेलवे जहां अपनी जमीन को वापस लेना चाहता है, वहीं शहरवासी जल आपूर्ति की चिंता में है पीएचईडी विभाग

केटी न्यूज/रोहतास

सासाराम में रेलवे ने अपनी जमीन को खाली कराने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को नोटिस जारी किया है। यह जमीन रेलवे स्टेशन के दक्षिण और पुरानी जीटी रोड के उत्तर में स्थित है, जहां पीएचईडी विभाग के कार्यालय और जल आपूर्ति से जुड़ी संरचनाएं पिछले 60 वर्षों से संचालित हो रही हैं।

रेलवे ने दिया नोटिस : ईस्ट सेंट्रल रेलवे के मुगलसराय स्थित डीआरएम कार्यालय ने पीएचईडी को नोटिस भेजकर स्पष्ट किया कि विभाग उनकी जमीन पर अनधिकृत रूप से काबिज है। रेलवे ने पूछा है कि क्या विभाग तय समय सीमा में इस परिसर को खाली करने में सक्षम है। सूत्रों के अनुसार, दशकों पहले रेलवे और पीएचईडी के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके तहत रेलवे ने शहर में जल आपूर्ति के लिए अपनी जमीन लीज पर दी थी। लेकिन अब यह जमीन रेलवे के विस्तार कार्यों में बाधक बन रही है।

जल आपूर्ति पर संकट के बादल : इस परिसर में जल मीनार, संप हाउस और विभागीय कर्मियों के आवास स्थित हैं। यह पूरा परिसर सासाराम शहर की जल आपूर्ति व्यवस्था का केंद्र है। यदि रेलवे इस जमीन को खाली करवाता है, तो पूरे शहर में पानी की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ सकती है।

स्थानीय प्रशासन की भूमिका : इस मामले में स्थानीय प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रेलवे जहां अपनी जमीन को वापस लेना चाहता है, वहीं पीएचईडी विभाग और शहरवासी जल आपूर्ति की चिंता में हैं। अब यह देखना होगा कि दोनों विभागों के बीच कोई समझौता होता है या फिर रेलवे अपनी जमीन को जबरन खाली करवाने की कार्रवाई करता है।

गर्मी में जलआपूर्ति का गहरा सकता है संकट

पीएचईडी के 4 विभागों का हो रहा संचालन

रेलवे की नोटिस ने पीएचईडी के साथ शहर वासियों के समक्ष भी एक बड़ी समस्या उत्पन्न कर दी है। बता दें कि लगभग छह दशकों से रेलवे की इस भूमि पर लोक पीएचईडी के कुल चार कार्यालय संचालित हो रहे हैं। रेलवे की भूमि पर संप हाउस समेत जल मीनार व विभागीय कर्मियों का आवास बना है। परिसर से ही सासाराम शहर में पेयजल आपूर्ति कार्य पूरी तरह से नियंत्रित होता है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि अगर रेलवे अपनी भूमि को खाली कराता है तो शहर में पेयजल आपूर्ति की समस्या उत्पन्न हो सकती है। हालांकि, अब देखना होगा कि रेलवे की नोटिस के बाद विभाग क्या कदम उठाती है और रेलवे को अपनी भूमि खाली कराने में कितना वक्त लगता है।

रेलवे की ओर से प्राप्त हुआ दो-तीन बार नोटिस

पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता नंदकिशोर प्रसाद ने बताया कि रेलवे की ओर से दो-तीन बार नोटिस प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस संबंध में अपने वरिष्ठ अधिकारियों और जिलाधिकारी को जानकारी दे दी है।

खुशखबरी : राष्ट्रीय विद्यालय भारोत्तोलन में भोजपुर की नंदनी का बिहार टीम में चयन

केटी न्यूज/आरा

मणिपुर के इम्फाल में होने वाले राष्ट्रीय विद्यालय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भोजपुर के संदेश प्रखंड के सुरुंगापुर निवासी जितेन्द्र राम की पुत्री नन्दनी कुमारी का चयन बिहार टीम में किया गया है। जिला संघ के प्रशिक्षक सह सचिव मुकेश कुमार ने बताया कि जहानाबाद में आयोजित राज्य स्तरीय विद्यालय प्रतियोगिता के आधार पर नंदनी का चयन हुआ है। प्रशिक्षण शिविर चार अप्रैल तक राजगीर स्पोर्ट्स कप्लेक्स में होना है। जब कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता मणिपुर इम्फाल में 07 से 11 अप्रैल तक होनी है। भारोत्तोलन प्रतियोगिता दो जुलाई को आरा। भोजपुर जिला भारोत्तोलन संघ की वार्षिक बैठक गुरुवार को रमना मैदान स्टेडियम के बाहरी परिसर में की गई। बैठक में संघ के सदस्यों ने भाग लिया और आने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन पर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद निर्णय लिया गया कि भोजपुर जिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन आगामी दो जुलाई को होगा। संघ के सचिव मुकेश कुमार ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में कैडेट बालक, बालिका, युथ, जूनियर बालक व बालिका के अलावा सीनियर पुरुष एवं महिला के विभिन्न भार वर्ग की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निबंधन कराना होगा। निबंधन एक से 30 जून तक होगा।

ऑटो चालकों से अवैध वसूली पर रोक लगे : दिलराज प्रीतम

आरा। बिहार राज्य ऑटो ई-रिक्शा टेम्पू चालक संघ आरा की ओर से 12 सूत्री मांगों को लेकर भोजपुर डीएम के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया गया। धरना की अध्यक्षता सचिव किरण प्रसाद ने किया। यह धरना एक नगर निगम एक कूपन लागू करने, स्थाई टेम्पू ई-रिक्शा का स्टैंड बनाने की गारंटी की जाए,सभी टेम्पू ई-रिक्शा स्टैंडों को अतिक्रमण मुक्त एवं प्रतिदिन सफाई की गारंटी करने,सभी स्टैंड में दर तालिका लगाने की गारंटी करने,सभी टेम्पू ई-रिक्शा स्टैंडों में पेयजल सुविधा प्रदान करने, शीश महल चौक पर टेम्पू ई-रिक्शा स्टैंड बनानआदि मांगों को लेकर यह धरना आयोजित किया गया था।

सड़क दुर्घटना में कॉलेज कर्मी की मौत

रोहतास। सड़क हादसे में रोहतास महिला कॉलेज के कर्मचारी की मौत हो गई। घटना डेहरी नगर थाना क्षेत्र के डीलिया गांव के पास हाईवे पर गुरुवार की देर शाम हुई। मृतक की पहचान काराकाट थाना क्षेत्र के कुलहरिया गांव निवासी अशोक कुमार (54) के रूप में हुई है। वे वर्तमान में नगर थाना क्षेत्र के गांधीनगर में रहते थे।अशोक सासाराम से बाइक पर डेहरी जा रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस के आश्वासन के बाद जाम हटा। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है।

सहूलियत: आरा से चलने वाली ट्रेनों में अब भीड़ होगी कम, आज से चलेंगी समर स्पेशल ट्रेनें

केटी न्यूज/आरा

होली के बाद रेगुलर ट्रेनों में बढ़ती भीड़ व आने आने वाले ग्रीष्म अवकाश को देखते हुए रेलवे के द्वारा कई समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन आरा जंक्शन होकर कराया जाएगा। जिसमें गाड़ी संख्या 04489/90 नई दिल्ली पटना एसी स्पेशल 28 से एक अप्रैल तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 15.50 बजे खुलकर अगले दिन 7.28 बजे आरा रुकते हुए 8.40 बजे पटना पहुंचेगी।

वहीं वापसी में पटना से 12 बजे खुलकर 12.53 बजे आरा रुकते हुए अगले दिन 4.40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार 01065/66 मुंबई नारंगी गुवाहाटी स्पेशल 10 अप्रैल से एक मई तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को सीएसएमटी से 11.05 बजे खुलकर अगले दिन 14.10 बजे आरा रुकते हुए उसके अगले दिन 11 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी।वहीं, वापसी में गुवाहाटी से प्रत्येक रविवार को 5.25 बजे खुलकर अगले दिन रात्रि 12.45 बजे आरा रुकते हुए उसके अगले दिन 8.25 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 01405/06 कोल्हापुर कटिहार स्पेशल छह अप्रैल से 27 अप्रैल तक प्रत्येक रविवार को कोल्हापुर से 9.35 बजे खुलकर अगले दिन 23 बजे आरा रुकते हुए मंगलवार को कटिहार 6.10 बजे पहुंचेगी। वहीं वापसी में प्रत्येक मंगलवार को कटिहार से 18.10 बजे खुलकर अगले दिन 00.25 बजे आरा रुकते हुए उसके अगले दिन 15.35 बजे कोल्हापुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01663/64 रानी कमलापति सहरसा समर स्पेशल सात अप्रैल से 30 जून तक प्रत्येक सोमवार को रानी कमलापति से 16.30 बजे खुलकर अगले दिन 8.46 बजे आरा रुकते हुए 15.15 बजे सहरसा पहुंचेगी।

1985 में मैट्रिक की परीक्षा पास करके नौसेना में बहाल हुए थे यशमुद्दीन अंसारी

साथियों ने उड़ाया मजाक, तो 56 साल की उम्र में 71 प्रतिशत अंक लाकर पास की इंटर की परीक्षा

केटी न्यूज/आरा

कहते हैं कि पढ़ने की कोई आयु नहीं होती। यह बात जगदीशपुर प्रखंड के यशमुद्दीन अंसारी पर सटीक बैठती है। साथी शिक्षकों ने मजाक उड़ाया तो 56 वर्ष की आयु में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित 12वीं की परीक्षा में इन्होंने 71 प्रतिशत अंक प्राप्त करके सबको चौंका दिया।

जनवरी 2002 में नौसेना से स्टोर पेटी ऑफिसर से सेवानिवृत्त होने के बाद यशमुद्दीन अंसारी ने गुजरात में गुजरात इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (बिजली विभाग) में सेवा दी। वर्ष 2018 में अपने घर जगदीशपुर प्रखंड के डिलिया गांव लौटे थे। शिक्षा विभाग अंतर्गत विद्यांजलि योजना के तहत मसूढ़ी स्थित दिलीप नारायण प्लस टू उच्च विद्यालय में संस्कृत शिक्षक के रूप में छह अप्रैल 2023 में जुड़े। विद्यालय के कई शिक्षकों ने उनकी योग्यता पर यह कहते हुए सवाल खड़े किए कि मैट्रिक पास व्यक्ति उच्च विद्यालय में कैसे पढ़ाएगा। दरअसल, शिक्षा विभाग ने विद्यांजलि कार्यक्रम में योग्यता निर्धारित नहीं थी। यशमुद्दीन अंसारी ने मैट्रिक परीक्षा की 1985 में पास की थी जिसके बाद 1987 में नौसेना में नियुक्ति मैट्रिक के आधार पर हो गई लेकिन उस समय बारहवीं के रेगुलर थे लेकिन नौसेना में भर्ती होने के जुनून ने जून 1986 में नौसेना में भरती होने के लिए विशाखापत्तनम चले गए जिसके बाद 10 जनवरी 1987 को नौसेना में ज्वाइन कर लिए। दिलीप नारायण प्लस उच्च विद्यालय की प्रधान शिक्षिका कंचन कामनी कहती हैं कि यशमुद्दीन अंसारी समय से विद्यालय आते और जाते थे। सरकार की योजना के अनुसार निशुल्क सेवा दी। उनके प्रयास से विद्यालय में संस्कृत भाषा के प्रति छात्र-छात्राओं का रुझान बढ़ा और परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त किए। वह संस्कृत के व्याकरण में पारंगत हैं। उनकी भाषा और पढ़ाने की शैली अनुकरणीय है।2018 में घर लौटने बाद 2022 बेटे समीर का गांव के स्कूल में नाइंथ क्लास में एडमिशन कराए और दोनों बेटी भी गाव के स्कूल दिलीप नारायण +2 हाइ स्कूल में पास आउट हो गई थी। जिले बाद 23-25 सेशन में स्वतंत्रत छात्र के रूप में विद्यालय में एडमिशन लिया गया जिसके बाद यशमुद्दीन अंसारी स्कूल में पढ़ाते भी थे और पढ़ते भी थे। इंटरमीडिएट रिजल्ट के बाद 358 नंबर आया और गांव और समाज के लोगों के सामने अपना लोहा मनवाया।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद स्टेशन होकर मुंबई के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद होकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा रेल ने की है. यह ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से आसनसोल के बीच चलाई जाएगी. इसका फायदा धनबाद को लोगों को भी मिलेगा. जीरो लाइन होकर इस ट्रेन का परिचालन होगा. ट्रेन संख्या 01145 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से आसनसोल और ट्रेन संख्या 01146 आसनसोल से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए चलायी जायेगी. ट्रेन संख्या 01145 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से आसनसोल के लिए सात अप्रैल से 23 जून तक सप्ताह के हर सोमवार को चलेगी. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से ट्रेन 11.05 बजे रवाना होगी. दूसरे दिन रात 08.40 बजे धनबाद पहुंचेगी. कुल्टी में रात 1.48 बजे और आसनसोल में रात 2.50 बजे पहुंचेगी. वहीं ट्रेन संख्या 01146 आसनसोल से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस सप्ताह के हर बुधवार को आसनसोल से रात नौ बजे प्रस्थान करेगी. धनबाद रात 10.45 बजे, गोमो 11.15 बजे, कोडरमा में 12.27 बजे, गया में 02.15 बजे होते हुए शुक्रवार की सुबह 8.15 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी. ट्रेन का परिचालन 20 कोच के साथ किया जायेगा. इसमें चार जनरल, चार स्लीपर, छह थर्ड एसी, चार सेकेंड एसी के अलावा एक आरडी व आरआरएम के एक-एक कोच होंगे.

सड़क दुर्घटना में घायल छात्रा को अस्पताल पहुंचाने वाला टोटो चालक सम्मानित

गोड्डा, एजेंसी। सड़क दुर्घटना में घायल छात्रा को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाने की पहल करने वाले टोटो चालक को रामाज कल्याण संगठन ने सम्मानित किया। संगठन से जुड़े आर्मन चंद्र पंडित ने बताया कि पांडु स्थान के समीप हुए सड़क दुर्घटना में घायल हुई छात्रा सड़क किनारे पड़ी थी। मौके पर पहुंचे टोटो चालक देवानंद महतो ने बिना देर किए घायल बच्ची को सदर अस्पताल पहुंचा कर अपना मानवीय धर्म निभाया। घायल को अस्पताल पहुंचाने पर बदले में कोई भी पैसा नहीं लिया। इसके लिए यह बधाई के पात्र हैं। समाजसेवियों ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि गुडसमेरिटन के रूप में कराता हूं कोई कमी डॉक्टर होने के बाद घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाने वालों को सरकार की ओर से मिलने वाले सम्मान की राशि का लाभ जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया जाए। मौके पर उपस्थित रिजाज अहमद ने कहा कि इसपर द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है। बेसुध पड़े घायल को समय पर इलाज मिले तो दुर्घटना में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी आएगी। इन्हें देखकर दूसरों को भी सीख लेनी चाहिए। बहुत सारे लोग दुर्घटना होने के बाद भी उन्हें बचाने के लिए उपाय करने के बजाय वीडियो बनाने लगते हैं। इस चक्कर में मरीज की जान चली जाती है लेकिन इन्होंने समय पर मरीज को सदर अस्पताल पहुंचा कर बहुत ही नेक कार्य किया है। इसके लिए संगठन के द्वारा फूल माला एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

एटीएम मशीन में फंसा कार्ड, साइबर अपराधियों ने उड़ाये 53 हजार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में साइबर अपराधियों का बड़ा गिरोह काम कर रहा है, जो आम लोगों को अपना शिकार बना रहा है. बुधवार को बरटांड़ स्थित एक बैंक के एटीएम में बिजली विभाग के कर्मी प्रभात कुमार को अपना शिकार बनाकर साइबर अपराधियों ने 53813.52 रुपये की खरीदारी कर ली. घटना के बाद प्रभात कुमार ने तुरंत अपना एटीएम को ब्लॉक कराया और साइबर अपराधियों के खिलाफ धनबाद थाना में लिखित शिकायत की. बरटांड़ के पंडित बस्ती मोड़ रोड में रहने वाले प्रभात कुमार ने बताया कि बुधवार की शाम साढ़े पांच बजे आसपास उन्होंने बरटांड़ स्थित एक बैंक के एटीएम से तीन हजार रुपये की निकासी की. इसके बाद उनका एटीएम कार्ड मशीन में ही फंस गया. तभी एटीएम के बाहर खड़े युवकों ने उन्हें दिखाया की बैंक का नंबर लिखा हुआ है, उसपर कॉल कीजिये, आपकी समस्या का समाधान हो जायेगा. उसके बाद उन्होंने उस नंबर पर कॉल लगाया तो सामने से कॉल उठाने वाला बोला की वह बैंक कर्मी है और वह बैंक के हीरापुर ब्रांच के पास आ जायें. प्रभात बैंक के पास गये और फिर उस नंबर पर कॉल लगा कर कहा कि मैं पहुंच गया हूं, कुछ उपाय करें. तब उन्हें बताया गया कि अभी इंजीनियर को भेजा गया है.

ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर डीजीपी ने जारी किए सतर्कता के निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड के कई जिलों में हाल के दिनों में पर्व त्योहार के दौरान कई शहरों में उत्पन्न हुए तनाव के मद्देनजर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आगामी पर्व त्योहार को देखते हुए डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को जरूरी निर्देश जारी किया है। मंगलवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय सभागार डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आगामी त्योहार (ईद, सरहुल एवं रामनवमी) को लेकर सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के मद्देनजर समीक्षा की बैठक में पुलिस मुख्यालय के सभी सीनियर अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में विधि-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण हेतु जिलावार निम्न बिंदुओं पर समीक्षा की गई।

सम्प्रदायिकता दंगों से संबंधित वर्ष कांडों के निष्पादन की अद्यतन स्थिति। आगामी त्योहार (ईद, सरहुल एवं रामनवमी) के मद्देनजर अपेक्षित निषेधात्मक कार्रवाई। विधि-व्यवस्था संधारण हेतु दंडाधिकारी एवं बलों की उपलब्धता एवं प्रतिनियुक्ति। धार्मिक स्थलों के आस-पास की गई सुरक्षात्मक कार्रवाई एवं सीसीटीवी का

आधिपत्यन तथा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस। जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन। जुलूस मार्गों में पड़ने वाले संवेदनशील स्थानों पर की गई सुरक्षात्मक कार्रवाई। जुलूस के साथ दण्डाधिकारी/बलों की प्रतिनियुक्ति एवं वज्रवाहनों और जुलूस का वीडियोग्राफी / ड्रोन द्वारा पीपल सर्विलांस की व्यवस्था। जुलूस मार्गों में लगातार प्रकाश / पब्लिक संबोधन सिस्टम की व्यवस्था करने की कार्रवाई। संयुक्त नियंत्रण कक्ष तथा आपातकालीन योजना। जिला / थाना स्तरीय शांति समिति की बैठक। जिलों में दंगारोधी सुरक्षा उपकरणों, दंगारोधी वाहन, वाटर कैनन की उपलब्धता एवं एंटी रॉट कंट्रोल ड्रिल की व्यवस्था। गुप्तचरों की आवश्यकता एवं कॉल-अप करने हेतु अपेक्षित कार्रवाई। लंबित वारंट / कुर्की का निष्पादन की अद्यतन स्थिति। अवैध पटाखों / शराब के विरुद्ध कार्रवाई। ड्रोन/अन्य साउंड सिस्टम द्वारा उत्तेजक गानों के प्रयोग पर निर्णय। सुरक्षा बलों के लिए भोजन/आवासन/पानी आदि की व्यवस्था।

बैठक के दौरान सभी रेंज आईजी और डीआईजी के द्वारा आगामी त्योहार (ईद। सरहुल एवं रामनवमी) के मद्देनजर विधि-व्यवस्था संधारण के लिए बनाए गए रोडमैप की बारी-बारी प्रस्तुति भी दी गई।

जिले के सभी वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षकों द्वारा धार्मिक स्थलों की मॉनिटरिंग और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर ध्यान देने के लिए की जा रही कार्रवाई, सामाजिक समितियों की बैठक कर उनकी छोटी-मोटी कठिनाइयों का निराकरण, अखाड़ा समितियों के साथ बैठक कर जुलूस के मार्गों का सत्यापन, संवेदनशील इलाकों में जुलूस निकालने संबंधी कठिनाइयों का निराकरण, डीजे पर भड़काऊ गाना बजाने वालों पर कार्रवाई, सोशल मीडिया एवं वाट्सएप पर विशेष निगरानी रखने, लोहारी के दौरान माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों पर सख्ती से की जाने वाली कार्रवाई संबंधी जानकारी दी गई।

डीजीपी झारखंड के द्वारा सभी जिलों को रूप में आगामी त्योहारों के अवसर पर शांति व्यवस्था कायम रखने के लिये असामाजिक तत्वों एवं उपद्रवियों पर निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध निषेधात्मक कार्रवाई करने, जुलूस के मार्गों के भौतिक सत्यापन, धार्मिक स्थलों एवं जुलूस का ड्रोन से मॉनिटरिंग करने, ऐसे जिले जहां पूर्व में

साफ रहेगा मौसम, लेकिन झुलसाएगी गर्मी

रांची, एजेंसी। झारखंड में फिलहाल मौसम साफ रहेगा. धीरे-धीरे तापमान बढ़ेगा. गर्मी की तपिश बढ़ने से लोगों की परेशानी बढ़ेगी. हफ्ते भर की बात करें तो अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है. इस दौरान रांची का पारा 36 डिग्री तक पहुंच सकता है. मुस्कान रस्तोगी जैसी महिलाएं भारतीय पद इतिहास में गिनती की, प्राचीन समाज में एक भी महिला पर नहीं लगा पत्नी की हत्या का आरोप

मौसम केंद्र ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि 31 मार्च तक मौसम साफ रहेगा. कहीं-कहीं सभी जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहेगा. मौसम के मिजाज में एक सप्ताह तक कोई विशेष बदलाव का अनुमान नहीं है. मौसम केंद्र के अनुसार इस दौरान राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा.

नयी शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय फूली कोर्स को तीन वर्ष में छोड़ने पर छात्रों को स्नातक की डिग्री मिलेगी. इसे ध्यान में रखते हुए, विनोबा भावे महिला कोयलांचल विश्वविद्यालय के कॉलेजों में अध्ययनरत फूली सत्र 2022-26 के छात्र, जिन्होंने तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं, कोर्स छोड़ सकते हैं. क्योंकि एनईपी के नियमानुसार उन्हें स्नातक डिग्री प्रदान कीजायेगी. इस डिग्री के आधार पर छात्र उच्चतर शिक्षा के अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, लेकिन छात्रों को ऑनर्स डिग्री प्राप्त करने के लिए चार वर्षीय कोर्स पूरा करना होगा. वहीं, जो छात्र तीसरे वर्ष में कोर्स छोड़ना चाहते हैं, उन्हें अपने कॉलेज के माध्यम से आवेदन करना होगा.

एनईपी के नये नियमों को काफी लचीला बनाया गया है. चार वर्षीय कार्यक्रम में प्रत्येक वर्ष एक निकास बिंदु है, जिससे छात्रों को विभिन्न चरणों में प्रमाण पत्र, डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त करने का अवसर मिलेगा. यदि कोई छात्र पहले या दूसरे वर्ष में ही कोर्स छोड़ना चाहता है, तो उसे यूजी सर्टिफिकेट या यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जायेगा. ऐसे छात्र सर्टिफिकेट या डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद चाहें तो तीन वर्षीय या चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम में दोबारा प्रवेश ले सकते हैं. छात्रों को अपना कोर्स सात वर्षों के भीतर पूरा करना होता है. तीन वर्ष पूरा करने के बाद कोर्स छोड़ने वाले छात्रों को स्नातक डिग्री प्रमाण-पत्र प्रदान कियाजायेगा.

बुधवार को नीमीडिह के पूर्व में एनईपी के नये सिलेबस और इस वर्ष फूली में चौथे वर्ष की पढ़ाई को लेकर कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित होगी.

गुमला में दो ट्रकों में टक्कर से लगी भीषण आग, चालक की जलकर मौत की आशंका

गुमला, एजेंसी। जिले के पालकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिमडेगा गुमला सड़क पर बीती रात दो ट्रकों के बीच टक्कर होने से भीषण आग लग गई। जिसके बाद दोनों ट्रक धू-धू कर जलने लगी।

ट्रकों में हुई टक्कर से लगी आग

सूचना पर पहुंचे पालकोट थाना प्रभारी राहुल कुमार दसोंदी के द्वारा दमकल वाहन को बुलाया गया और काफी मशक्कत के बाद लगभग 2 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दोनों ट्रक जलकर खाक हो चुके थे। वहां पर मौजूद लोगों के अनुसार दोनों वाहन काफी तेज रफ्तार में था, जिसकी वजह से आमने-सामने से टक्कर हो गई। एक ट्रक में कोयला लदा हुआ था जबकि दूसरा खाली था।

घटना के बाद से चालक का कोई पता नहीं है : बताया जा रहा है कि दोनों ड्राइवरों का अब तक कोई

सुराग नहीं मिल पाया है। आशंका जाहिर की जा रही है कि इस भीषण आग की चपेट में कहीं दोनों चालक तो नहीं आ गए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि टक्कर होने के बाद दोनों ने ट्रक से कूद कर जान बचाई। इस की घटना की वजह से पुलिस भी स्पष्ट नहीं बता पा रही है। हालांकि सुबह होते ही पुलिस इस मामले पर गहनता से छानबीन में जुट गई है। घटना के बाद वाहनों की लंबी कतार भी काफी देर तक लगी रही।

जानकारी के मुताबिक एक ट्रक अंबिकापुर के अम्बा गांव से कोयला लेकर टाटा नगर जा रहा था। जबकि पालकोट के चौक टंगरा के पास विपरीत दिशा से दूसरा ट्रक आ रहा था, जिसकी आपस में सीधी भिड़ंत हो गई। इसमें बिलासपुर के सिंगा निवासी चालक कुमेर गोस्वामी और दूसरे ट्रक चालक का फिलहाल खोजबीन की जा रही है। एसडीपीओ कबीर अख्तर ने बताया कि एक जला हुआ शव ट्रक के अंदर से बरामद हुआ है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। जांच होने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगी।

हिंदुओं के पर्व पर ही क्यों हो रहे हमले, हजारीबाग की घटना पर सदन में बीजेपी ने जताया विरोध

रांची, एजेंसी। हजारीबाग में मंगलवारी जुलूस पर पथराव, फायरिंग और लाठीचार्ज की घटना का मामला बुधवार को विधानसभा में भी उठा। सदन के बाहर-भीतर भाजपा के विधायकों ने विरोध प्रदर्शन किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान भाजपा के विधायक थोड़ी देर के लिए आसन के सामने पहुंच गए।

हजारीबाग के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदन में सूचना के माध्यम से यह मामला उठाया। इसके बाद भाजपा के विधायक आसन के सामने पहुंच गए। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने सभी विधायकों को वापस सीट पर बुलाया और विपक्ष की ओर से सदन के सामने अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि आखिर हिंदुओं के पर्व पर ही इस तरह की घटना क्यों हो रही है। ईद व मुहर्रम पर ऐसी घटनाएं क्यों नहीं हो रही हैं। कहीं न कहीं अपराधियों को प्रश्रय दिया जा रहा है। अब तकनीक विकसित है। ड्रोन कैमरा, लाइट, सीसीटीवी कैमरा लगाकर ऐसी घटनाओं के दोषियों को चिह्नित किया जा सकता है। पहलगाम होता

तो पता चलता कि पत्थर, बोतल कौन चला रहा है।

उन्होंने सरकार को इस पर संज्ञान लेने को कहा और यह भी कहा कि रात में लाइट बंद कर पत्थरबाजी की गई है, जिसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने द्वितीय पाली में इस पर जवाब देने का आश्वासन दिया, जिसके बाद विपक्ष के विधायक शांत हुए।

द्वितीय पाली शुरू होते ही संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने हो रही कार्रवाई से सदन को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो रही है, दोनों पक्षों के बीच-बीच नामजद व 200-200 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में बताया कि मंगलवारी जुलूस के दौरान हजारीबाग में आपत्तिजनक गाने को लेकर विवाद और पथराव हुआ था। हजारीबाग पुलिस ने एडीजी को भेजी गई रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है।

उसी रिपोर्ट के आधार पर संसदीय कार्य मंत्री ने सदन को बताया कि मंगलवारी जुलूस के दौरान हजारीबाग के अशोक चौक पर आपत्तिजनक गाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था।

झारखंड में सफाई के नाम पर मैला नहीं ढोएंगे कैदी, जेलों में हड़ताल-आंदोलन भी नहीं, सरकार ने पारित किया विधेयक

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा में बुधवार को झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक-2025 ध्वनिमत से पारित हो गया। कैदियों के लिए सुधारात्मक प्रयासों के तहत तय किए गए उपायों के बाद अब सफाई के नाम पर किसी भी कैदी से मैला ढोने को नहीं कहा जाएगा। हालांकि, यह पहले से ही प्रतिबंधित है।

सरकार ने यह भी सुनिश्चित कर दिया है कि जेल में कैदी किसी भी स्थिति में हड़ताल और आंदोलन नहीं कर सकेंगे। इसके पहले राजभवन के निर्देश पर विधेयक में मौजूद गलतियों को सुधारकर सदन में पेश किया गया जिसे ने इस दौरान चर्चा में भाग लेते हुए जेलों से संचालित अपराधों का मामला उठाया और कर्मियों की कमी के

कारण उठ रही समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

बुधवार को प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक-2025 को सदन के पटल पर रखा। एक दिन पूर्व ही यह विधेयक वापस हो गया था। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने सदन को बताया था कि उक्त विधेयक कल्याण के ध्यानार्थ भेजा गया था, जिसमें कुछ गलतियों के चलते कल्याण ने उसे वापस कर दिया था।

भाजपा की ओर से विधेयक पर चर्चा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मांग की कि जेलों के लिए आइजी स्तर के अधिकारी के स्थान पर डीजी स्तर के अधिकारी की प्रतिनियुक्ति हो। झारखंड की जेलों के लिए एक निदेशालय बने, जिसके प्रमुख एक डीजी रैंक के अधिकारी हों। बाबूलाल मरांडी ने जेल में जेलर, कल्याण, अधीक्षक आदि कर्मियों की भारी कमी का मामला भी उठाया। उन्होंने कहा कि जेलों से अपराध संचालित हो रहे हैं। उसे रोकने के लिए सरकार ठोस उपाय करे।

भाजपा विधायक रवि सिन्हा ने कहा कि जेलों से हत्या की साजिश रची जा रही है। रंगदारी मांगे जाने के कई मामले दर्ज हैं। जेल से फोन भी किए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम करने के लिए विधेयक में कोई प्रावधान नहीं दिख रहा है।

सत्ता पक्ष से मंत्री ने विपक्ष का आश्वस्त किया कि इस प्रकार की गड़बड़ियों को दूर कर दिया गया है। अब में विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया। ज्ञात हो कि विधेयक में जेल से बाहर निकलने वाले कैदियों के भविष्य को लेकर परिकल्पनाएं की गई हैं।

नीरज सिंह हत्याकांड में पूर्व आइओ निरंजन तिवारी ने मांगी सुरक्षा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज हत्याकांड का अनुसंधान करने वाले निरंजन तिवारी को जान का खतरा है. इस मामले में गवाही देने आने-जाने के लिए उन्हें सुरक्षा चाहिए. बुधवार को नीरज हत्याकांड की सुनवाई कर रहे धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में उन्होंने आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगायी है. आवेदन में कहा है कि विशेष शाखा की रिपोर्ट के आधार पर वर्ष 2021 में उन्हें नीरज हत्याकांड में गवाही देने के लिए आने-जाने के दौरान सुरक्षा प्रदान की गई थी. जमशेदपुर डीएसपी के पद से सेवानिवृत्त हो जाने के बाद से सरकार ने उनकी सुरक्षा हटा ली है. अभी भी इस मामले में गवाही चल रही है. इसके लिए उन्हें धनबाद आना-जाना पड़ता है. विशेष शाखा ने उनकी जान को खतरा बताया था लिहाजा उन्हें सुरक्षा दी जाये. हालांकि उनके आवेदन पर अदालत ने तत्काल कोई आदेश पारित नहीं किया है. वहीं दूसरी ओर सुनवाई के दौरान मामले के नामजद अभियुक्त विनोद सिंह ने अदालत में एक पेन ड्राइव दाखिल किया. कहा कि पेन ड्राइव में चश्मदीद गवाह अमर सिंह की आवाज और वीडियो फुटेज है. इसकी फॉरेंसिक जांच करायी जाये. मंगल पथ से अधिवक्ता देवीशरण सिन्हा, कुमार मनीष, मो जाकिर, पंकज प्रसाद व के के तिवारी ने अपना पक्ष रखा. इसका विरोध अपर लोक अभियोजक सत्येंद्र कुमार राय ने किया.

बीसीसीएल की रेल लाइन बिछाने के काम को बाधित करने के मामले की सुनवाई बुधवार को एसी एससीएस कोर्ट के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अनिता नारायण की अदालत में हुई.

झारखंड की अदालतों में नहीं होगा मॉर्निंग सिटिंग

धनबाद, एजेंसी। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य के सभी सिविल कोर्ट में मॉर्निंग सीटिंग को समाप्त कर दिया है. राज्य के सिविल कोर्ट में अब मॉर्निंग कोर्ट सिटिंग नहीं होगी. कोर्ट का कामकाज पूर्व की तरह 11 बजे से 4:30 बजे तक होगा. झारखंड हाइकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनोज प्रसाद ने 26 मार्च 2025 को इस संबंध में राज्य के सभी सिविल कोर्ट के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत को पत्र लिखकर सूचित किया गया है कि अब झारखंड के सिविल कोर्ट में मॉर्निंग कोर्ट समाप्त कर दिया गया है. बताते चलें कि पहले अप्रैल के प्रथम सप्ताह से तीन माह के लिए सिविल कोर्ट में सुबह सात बजे से 12 बजे तक मॉर्निंग सिटिंग में कामकाज किया जाता था. उच्च न्यायालय ने अब मॉर्निंग सिटिंग को समाप्त कर 15 दिन की गर्मी की छुट्टी दी है.

गत 15 दिसंबर 2024 से 14 मार्च 2025 तक चले 90 दिवसीय जागरूकता एवं आउटरीच अभियान तहत चिह्नित दलनौला मुकदमों के बीच बुधवार को प्रधान जिला एवं फास्ट न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार नीरज कुमार तिवारी ने परिसंवादियों को बांटी. इस दौरान कुल नौ लाख दो हजार की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. इस संबंध में न्यायाधीश श्री तिवारी ने बताया कि झारसा के निर्देश पर जिले के सभी प्रखंडों में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया.

पुरी-राउरकेला वंदे भारत पर पथराव के बाद रेलवे विभाग ने लिया बड़ा फैसला !

राउरकेला/चक्रधरपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर रेल मंडल में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला बुधवार 25 मार्च दोपहर 12:00 बजे का है जब पुरी से राउरकेला आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पत्थर बरसाए। यह घटना कांसबहाल और कलुंगा के बीच किलोमीटर नंबर 430/20 के पास हुई।

पथराव से ट्रेन की खिड़कियों के शीशे टूट गए, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन संख्या 20836 के कोच सी-5 में सीट नंबर 53 और 54 के पास की खिड़की को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा। हालांकि, इस घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई, लेकिन यात्री भयभीत हो गए। राउरकेला स्टेशन पहुंचने पर यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की। यात्रियों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, जब वंदे भारत एक्सप्रेस पर हमला हुआ हो। इससे पहले भी चक्रधरपुर

रेल मंडल में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन इसे रोकने में नाकाम साबित हुआ है। घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन की टूटी खिड़की को स्टेशन पर मरम्मत करवाया, जिसके बाद ट्रेन वापस पुरी के लिए रवाना हुई। यात्रियों ने रेलवे और सुरक्षा एजेंसियों से मांग की है कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जहां एक तरफ यह पथराव की घटना हुई, वहीं दूसरी ओर रेलवे विभाग ने इस घटना के बाद बड़ा फैसला लेते हुए इस ट्रेन के परिचालन को लेकर नई अधिसूचना जारी की। दरअसल, राउरकेला-पुरी-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस के साप्ताहिक अवकाश को शनिवार से बदलकर मंगलवार कर करने का निर्णय रेल प्रशासन ने ले लिया है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन नंबर 20836/20835 राउरकेला-पुरी-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन 7 जून से मंगलवार छोड़कर सभी दिन किया जाएगा। 7 जून से सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को राउरकेला - पुरी - राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन मेन्टेनेंस कार्य कारण नहीं होगा। ऐसे में एक दिन यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ेगी। ज्ञात हो कि 7 जून से पहले तक राउरकेला - पुरी - राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस का मेन्टेनेंस कार्य के लिए परिचालन शनिवार छोड़ कर पूर्व की तरह सभी दिन होगा।

वहीं, दूसरी ओर ट्रेन पर पथराव की घटना और वंदे भारत के परिचालन में हुए बदलाव के बाद चक्रधरपुर से एक और खबर सामने आई है। दरअसल, चक्रधरपुर रेल मंडल ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के 25 मार्च तक 151.18 मिलियन टन माल ढुलाई कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस संबंध में सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने चक्रधरपुर रेल मंडल को 157 मिलियन टन लोडिंग का टार्गेट दिया था। चक्रधरपुर रेल मंडल ने 25 मार्च तक 151.18 मिलियन टन माल ढुलाई कर चुका है। आशा है 31 मार्च तक रेलवे बोर्ड के टिप्टारगेट को चक्रधरपुर रेल मंडल हासिल कर पूरा करेगा।

चक्रधरपुर रेल मंडल ने 151.18 मिलियन टन माल ढुलाई करमाल भाड़ा के रूप में 13,128.92 करोड़ की राजस्व अर्जित किया है। पिछले वित्तीय वर्ष के 25 मार्च तक चक्रधरपुर रेल मंडल ने 146.43 मिलियन टन माल ढुलाई किया था। चक्रधरपुर रेल मंडल ने मालगाड़ियों से आयरन ओर, स्टील, सीमेंट के साथ साथ सरडेगा से कोयला लोडिंग में 38 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है।

यह सब डीआरएम तरुण हुरिया के कुशल नेतृत्व और ऑपरेटिंग, कमर्शियल सहित रेलवे के हेड विभागों के रेलकर्मियों की कड़ी मेहनत की बदौलत हो सका है। डीआरएम तरुण हुरिया ने अधिक माल ढुलाई होने पर सभी को बधाई दी। मालूम रहे कि चक्रधरपुर रेल मंडल के नजदीक ही दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 200 मिलियन टन से अधिक माल लोडिंग का आंकड़ा पार किया।

सुभाषितम्

उच्च विषय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दूसरों का अनुभव का जन्म कठोर विषयों से होता है। - रौल्फ वाल्डो

खाकी पर अपराधियों का रौब, जगह-जगह पिट रही है पुलिस

सरकार को सोचना होगा, पुलिस बल का प्रभाव आम जनता के बीच में कम क्यों होता जा रहा है। आम जनता पुलिस के ऊपर हमले क्यों कर रही है। जिस पुलिस के डर और भय से लोग स्वयं नियंत्रित हो जाते थे, अब वही लोग पुलिस के ऊपर हमला करने से भी नहीं डरते हैं। हाल ही में कईयों स्थानों पर पुलिस के ऊपर हमले हुए हैं। यही के पीछे पुलिस कर्मियों की चेतना उनके लिए असहनीय होती जा रही है। वह अपनी चेतना शारीरिक रूप से व्यक्ति भी नहीं कर सकते हैं। पुलिस के ऊपर जिस तरह से राजनीतिक दबाव बढ़ाया जा रहा है। राजनीतिक दलों एवं धार्मिक संगठनों के नेता एवं भीड़ जरा-जरा सी बात पर हिंसक आंदोलन खड़े कर देते हैं। आक्रामक तरीके से सड़क एवं धार्मिक स्थलों पर प्रदर्शन करते हैं। विशेष रूप से दो समुदायों के बीच जिस तरह से आरोप प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। उसके कारण सारे देश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। पुलिस बल का रौब भी खत्म होता चला जा रहा है। रमजान का महीना चल रहा है। मुस्लिम समुदाय के रोजा और नमाज को लेकर एक विशेष वर्ग द्वारा लगातार एक धार्मिक समुदाय पर दबाव बनाया जा रहा है। समुदाय विशेष के धार्मिक क्रियाकलापों के संदर्भ में जिस तरह की बातें हो रही हैं। वह कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। रमजान और रामनवमी पर्व एक साथ होने के कारण कुछ संगठनों का उस रवैया आग में घी डालने का काम कर रहा है। जिसके कारण कई जगहों की कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती चली जा रही है। 300 साल के इतिहास में नागपुर में पहली बार दंगा हुआ। इसका कारण भी पूर्णतः एक वर्ग विशेष के खिलाफ आंदोलन और प्रदर्शन के बाद जिस तरह की स्थिति निर्मित हुई, उसके कारण दंगा हो गया। कर्फ्यू लगाना पड़ा। पुलिस को कानून व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए प्रभावी रूप से कदम करने का मौका नहीं मिलता है। सरकार के दबाव में काम करना पड़ता है। दो वर्गों के बीच के विवाद में एक वर्ग के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई करनी पड़ती है। एक वर्ग विशेष के मकानों को बुलडोजर से पुलिस की उपस्थिति में तोड़ दिया जाता है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण दूसरे पक्ष पर कोई कार्रवाही नहीं होती है। जिसके कारण पुलिस के खिलाफ एक गुस्सा पनपता है। मुंबई में एक कॉमेडियन द्वारा एक कार्यक्रम में एक राजनेता के ऊपर व्यंग्य किया गया। उसके बाद एक वर्ग विशेष के लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ कर दी। राज्य सरकार और शिंदा प्रशासन कॉमेडियन के खिलाफ खड़ी हो गई। जिसके कारण मुंबई जैसे स्थान में देखते ही देखते कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई। कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस के ऊपर कब कहां से मुसीबत आ जाएगी। पुलिस को इसका अंदाजा भी नहीं होता है। पुलिस का खौफ और रौब खत्म होता जा रहा है। पुलिस निष्पक्ष तरीके से कार्रवाही नहीं कर पाती है। एक पक्ष प्रताड़ित होता है, दूसरा पक्ष खुलेआम आक्रामक होकर घूमता रहता है। जिसके कारण पुलिस की स्थिति आम जनता के बीच वह नहीं रही, जो कुछ वर्षों पहले तक देखने को मिलती थी। राजनीति में जिस तरह से अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। राजनीति में अपराधियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। धार्मिक उन्माद भी अपराधों को बढ़ा रहा है। पुलिस चाहकर भी धार्मिक उन्मादियों पर कार्रवाई नहीं कर पाती है। जिसके कारण आम जनता के बीच में पुलिस के खिलाफ विरोध पनपने लगा है, जिसका खामियाजा पुलिस कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। अपराधियों को राजनीतिक एवं धार्मिक संरक्षण मिलने के कारण पुलिस की स्थिति दयनीय होती चली जा रही है। पुलिसकर्मियों के ऊपर लगातार हमले बढ़ रहे हैं। जगह-जगह पर सामुदायिक भीड़ तंत्र कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है।

चिंतन-मनन

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसकी चाहे सम्मान की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की बात पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंधों पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्तों की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमान जी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमान जी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमान जी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका निशाना बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमान जी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमान जी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम कलयुगी इसीलिए है कि वे चिरंजीव हैं। जिसे कह सकते हैं सदैव जीवी। जैसे ही शस्त्र चला, हनुमान जी ने विचार किया और तुलसीदास जी ने लिखा-

ब्रह्मास्त्रतेहि साँधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मसर मानउँ महिमा मिटइ अपार।।

अंततः उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमान जी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमान जी ने अपने परिणाम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मा जी के मान को दिखाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमान जी से सीखे।

संघ के कर्नाटक-मंथन में नये संकल्प-नयी दिशाएं

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक अपने स्थापना के शताब्दी वर्ष प्रवेश के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर बेंगलुरु में सफलतापूर्वक एवं उल्लासमय माहौल में संपन्न हुई, जिसमें औरंगजेब विवाद, तीन-भाषा फॉर्मूला, परिसीमन और बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर चर्चा ने एक अहम वातावरण का निर्माण किया। जिसमें दुनिया में शांति और समृद्धि लाने के लक्ष्य पर एक सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव भीखूभाई दलसानिया सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिन्दू समाज में राष्ट्रीयता भाव जागृत करने, हिन्दुओं को संगठित करने एवं हिन्दू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से हुई और इन सौ वर्षों में न केवल इन लक्ष्यों को हासिल किया गया है बल्कि अनेक रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों एवं योजनाओं के साथ अपनी एक स्वतंत्र एवं अलग छवि का निर्माण किया है। इस वर्ष की वार्षिक बैठक न केवल विशेष बल्कि नवीन संकल्पों की वाहक बनी है, क्योंकि बैठक ने सकारात्मक कार्यकारी विचारों से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया गया बल्कि पड़ोसी बांग्लादेश-पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये लताड़ा भी गया एवं सावधान भी किया गया है। अठहत्तर वर्षों की देहरी पर खड़े होकर राष्ट्र के अतीत को देखा-परखा जाए तो ऐसा लगता है कि अब राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। सुलझुझा आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के सुदृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह संघ जैसे शक्ति शाली संगठन का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, सत्य-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के उत्सों के अक्षय स्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को नित नूतन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है, वह असाधारण है। इन सब परिवर्तनों-परिवर्धनों एवं राष्ट्र को सशक्त करने के मानकों संघ की सालगी का सौन्दर्य निखरा है और कर्नाटक बैठक इसी सालगी के सौन्दर्य के अछूते पन को लिये हुई थी। दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन ने अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में सभी स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे पूरे समाज को सन्नद्ध शक्ति के नेतृत्व में एकजुट कर, दुनिया के सामने एक संगठित और सामंजस्यपूर्ण भाषा का आदर्श प्रस्तुत करें। इसी बैठक में मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान एवं क्षमता है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने हिंदू समाज को अपने नैतिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया है, जो सद्भाव पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही

प्रतिनिधि सभा में सभी स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे पूरे समाज को सन्नद्ध शक्ति के नेतृत्व में एकजुट कर, दुनिया के सामने एक संगठित और सामंजस्यपूर्ण भाषा का आदर्श प्रस्तुत करें। इसी बैठक में मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान एवं क्षमता है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने हिंदू समाज को अपने नैतिक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया है, जो सद्भाव पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही बैठक में चर्चा प्रस्तावों में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और व्यवहार के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए। यह समाज बौद्धिक समृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी परिपूर्ण होगा, जो समाज की समस्याओं का समाधान करेगा और चुनौतियों को कम करेगा। इस वर्ष की बैठक का हर बोल अनमोल है, हर चरण एक संकल्प है, हर संकल्प नये भारत-सशक्त भारत की दिशा है और हर दिशा एक सन्देश है। संघ का जीवन और दर्शन, विचार और सोच अनुशासन को बुलंदियों वाली ऐसी प्रेरणा है जो जहर भरी आस्था में सोये वाले लोगों का झकझोर देती है।

इस बैठक की खास बात यह रही है कि इसमें संघ की तरफ से भाजपा के बारे में सीधे बयानों से दूरी बनाए रखी गयी। हालांकि, परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण के राज्यों में सीटें कम नहीं होने को लेकर भाजपा को संदेश भी दे दिया। परिसीमन को लेकर संघ ने साफ कहा कि दक्षिणी राज्यों का लोकसभा में अनुपात नहीं रहेगा। इसके साथ ही संघ ने तीन-भाषा फॉर्मूले पर संतुलित रुख बनाए रखा गया। ऐसे समय में जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर असमंजस में हैं, आरएसएस ने इस विवाद को दरकिनार करते हुए मातृभाषा, आदि के विकास स्थानीय क्षेत्रीय भाषाओं का कारिंदे की भाषा, जो अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा हो सकती है, के उपयोग की आवश्यकता की है। संघ ने महाराष्ट्र में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर चल रहे विवाद को लेकर मुगल शासक की तीव्र एवं तीखी आलोचना की। खास बात यह देखने को मिली कि संघ की तरफ से औरंगजेब की आलोचना के साथ ही उसके भाई दारा शिकोह का जन्म भी मनाया, क्योंकि दारा शिकोह सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाला व्यक्ति था। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया था। औरंगजेब भारत के लोकाचार के खिलाफ था और अगर वैसी ही आक्रमणकारी मानसिकता अभी भी मौजूद है तो वह देश के लिए खतरा है। जो इस भूमि की सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने की कुचेष्टा भी है। निश्चित ही इस तरह कोई विकृत संस्करण या वैचारिक प्रस्तुत करना चाहता है, तो उसका मुकाबला किया ही जाना चाहिए।

कर्नाटक बैठक की टंकार में संघ ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। बांग्लादेश के हिन्दू समाज के साथ एकजुटता से खड़े होने का आह्वान शीर्षक वाले एक प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय ताकतों और बांग्लादेश में डीप स्टेट के प्रयासों का उल्लेख किया गया। संघ ने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं की जिम्मेदारी भारत की है और हम इस कर्तव्य से बच नहीं सकते। निश्चित ही धार्मिक संस्थानों पर आतंकवादी हमलों, जुर्म हत्याओं, जबरन धर्मांतरण और हिंदुओं की संपत्तियों को नष्ट करने के चक्र ने बांग्लादेश में हिन्दू अस्तित्व के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। इसलिये संघ द्वारा धार्मिक अल्पसंख्यकों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के इन कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है और वैश्विक समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया गया है।

रोकना होगा राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण को

- कौशल किशोर चमोरा

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन शिलान्यास भवन देखकर चक्करों में लगे रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले दर्ज हो रहे हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का ढ़ाना घालमेल होगया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक व्यवहार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, चमत्कार कार्यकताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है।

एक समय धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है।

1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले दिलीपसिंह शिवाल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र बेजयपुर जाने का अपने घर से विधानसभा जाने हमेशा सरकारी वाहन का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रुपयों की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज लूट-खसोट नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता है।

चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट ने सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 139 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(ई) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(ई) एक ही पीड़िता के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है।

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को बेगी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बड़ी संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिये चुने गये 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है।

एडीआर के अनुसार 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी बीजेपी के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 प्रतिशत) बीजेपी उम्मीदवार, 52 (52 प्रतिशत) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, एक (27 प्रतिशत) डीएमके उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीडीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार केरल के 20 में से 19 (95 प्रतिशत) सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 11 गंभीर अपराधों से जुड़े हैं। तेलंगाना के 17 में से 14 (82 प्रतिशत), ओडिशा के 21 में से 16 (76 प्रतिशत), झारखंड के 14 में से 10 (71 प्रतिशत) और तमिलनाडु के 39 में से 26 (67 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं।

पेंशन की लड़ाई: कर्मचारियों का हक या सरकारी बोझ?

-डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में 2004 से पहले सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के तहत पेंशन दी जाती थी। इसके तहत- सेवानिवृत्ति के बाद आजीवन निश्चित पेंशन मिलती थी। अंतिम वेतन का 50% पेंशन के रूप में दिया जाता था। महंगाई भत्ता (डीए) जुड़ा होता था, जिससे समय-समय पर पेंशन बढ़ती रहती थी। सरकार द्वारा पूरी फंडिंग होती थी, कर्मचारी का योगदान नहीं होता था। लेकिन 1 अप्रैल 2004 से एनपीएस लागू किया गया, जिससे नई भर्ती वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए यह प्रणाली बंद हो गई।

भारत में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक मुद्दा बन चुका है। यह केवल सरकारी कर्मचारियों का ही नहीं, बल्कि देश की वित्तीय नीति और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। 2004 में पुरानी पेंशन योजना को समाप्त कर नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू की गई, लेकिन कई कुछ वर्षों में एनपीएस की बहाली को लेकर कर्मचारियों में व्यापक आंदोलन और राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है। कल्पना कीजिए कि आपकी नौकरी के बाद भी आपको हर महीने एक निश्चित भाग मिलती रहे, जैसे एक जादुई खजाना जो कभी खाली न हो! यही थी ओपीएस एक डिफाइंड बेनिफिट पेंशन योजना, जिसमें सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपने अंतिम वेतन का 50% पेंशन के रूप में प्राप्त करते थे। इसमें महंगाई भत्ता (डीए) भी जोड़ा जाता था, जिससे पेंशन समय-समय पर बढ़ती रहती थी। इस योजना के तहत सरकार पेंशन की पूरी गारंटी देती थी और कर्मचारी को कोई योगदान नहीं देना पड़ता था। 2004 में केंद्र सरकार ने उसे को समाप्त कर एनपीएस लागू किया, जो एक डिफाइंड कंट्रीब्यूशन योजना है। इसमें कर्मचारियों को अपनी सैलरी का एक निश्चित हिस्सा पेंशन फंड में निवेश करना होता है, जिसे बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर रहना पड़ता है। अनुकल्पना कीजिए कि आपकी पेंशन स्टॉक मार्केट की लहरों पर तैर रही हो! कभी ऊपर, कभी नीचे! यही कारण है कि उसे को लेकर कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना बनी रहती है, क्योंकि इसमें कोई गारंटीड पेंशन नहीं होती।

आर्थिक असुरक्षा: उसे में पेंशन की राशि बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करती है, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्थायी और निश्चित आय नहीं मिलती। उसे में पेंशन महंगाई भत्ते के साथ बढ़ती थी, जबकि उसे में यह लाभ नहीं है। राजस्थान, उत्तरप्रदेश, पंजाब, झारखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने उसे को लागू करने की घोषणा की है। लाखों सरकारी कर्मचारी हड़ताल और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। वृद्धावस्था में आर्थिक स्थिरता के लिए उसे को एक आवश्यक साधन माना जाता है। उसे के तहत कई सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य: अन्य देशों में पेंशन प्रणाली दुनिया के कई देशों में पेंशन प्रणाली को लेकर अलग-अलग मॉडल अपनाए गए हैं। कुछ देशों ने सरकारी कर्मचारियों के लिए उसे जैसी योजनाएं जारी रखी हैं, जबकि अन्य देशों ने किसी विशेष आवश्यकता अनुसार हैं।

आज का राशिफल

मेष दिन सामान्य है। किसी से कुछ ले सकते हैं। अपनी उपलब्धि से किसी बड़े उपलब्धि के अवसर हो सकते हैं।

वृषभ आज अनिश्चित के सामने में कार्यों परिश्रम करना पड़ेगा। आपके धन के मामले में लाभ होगा।

मिथुन आज लाभ होगा और आपके मनोबल में वृद्धि लगी। आपकी कोई योजनाओं का लाभ होगा।

कर्क आज दिन सफलता से भरा होगा और आप अपने का लाभ को मन लगाकर पूरा करेंगे।

सिंह आज दो भी कुछ करेंगे जिसे आपको कुछ अनुभव विचार व निर्णय में मन दुख रहेगा

कन्या आज दिन अच्छा है। आपको कुछ में सफलता व लाभ मिलेगा व और इसका सकारात्मक प्रभाव होगा।

तुला आज कोई में परेशानी [illegible] होगा और आपको [illegible] में [illegible] मिलेगी।

धनिष्ठा दिन उत्तम से भरा होगा। आपका दिन कुछ विशेष कर दिखाने को अपने कुछ में लगे व होगा।

धनु आज दिन सफलता से भरा रहेगा। आलस्य के कारण व आपको फायदा होगा।

मकर आज दिन नौकरी और साथ में भरा होगा। नई दोस्त से अचानक फायदा होगा।

कुंभ आज दिन लाभ और उन्नति से भरा होगा। आपके बड़ी सफलता मिलने की खुशी होगी

मीन आज कुछ नया सीखने आएगा आज दूसरे कारण को लेकर खुश रहेंगे। दिन अच्छा है

विशेष

राज्यों की वित्तीय स्थिति बिगड़ी, कोर्ट का सहारा

केंद्र सरकार और राज्यों की वित्तीय स्थिति दिनों दिन खराब होती चली जा रही है। हाल ही में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने रोना रो दिया। विकास के लिए पैसे नहीं हैं। सारा पैसा योजनाओं में खर्च हो रहा है। यही हालत महाराष्ट्र सरकार की हो रही है। मध्य प्रदेश की सरकार तो हर महीने कर्ज लेकर योजनाओं और राज्य के खर्चों को पूरा कर रही है। कमोबेश यही स्थिति सभी राज्यों की है। अब राज्य सरकारों और केंद्र सरकार का एकमात्र सहारा सुप्रीम कोर्ट है। सुप्रीम कोर्ट यदि लोक लुभावन योजनाओं को बंद करने का आदेश देती है। तभी जाकर सरकारों की सांस वापस आएगी। अभी तो हर महीने सांस अटक रही है।

कर्ज लेकर अब घी क्या मट्ठा भी नहीं पी सकेंगे

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को कर्ज और ब्याज की अदायगी में 25 से 30 फीसदी राशि खर्च करनी पड़ रही है। 25 से 35 फीसदी तक वेतन और पेंशन में खर्च हो जाते हैं। रही सही राशि लोक लुभावन योजनाओं में बंट रही है। पिछले वर्षों में जितने टैक्स बढ़ाए जा सकते थे, सब बढ़ा दिए गए हैं। अब टैक्स बढ़ाने की गुंजाइश ही नहीं बची है। अभी तो कर्ज लेकर राजनेता और नौकरशाह घी पी रहे थे। अब मट्ठा भी पी पाएंगे कि नहीं, कहना मुश्किल है। विकास योजनाओं में खर्च करने के लिए पैसे ही नहीं है। कहां से कमीशन आएगा और कहां से कमाई होगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1507 फ्रांस के लुई 2 ने आल्प्स पर्वत इटली ने हथियार डाल दिये. 1854 ब्रिटेन ने रूस के खिलाफ युद्ध का ऐलान किया. 1939 जर्मनी ने अपनी नौसेना का विस्तार शुरू किया. 1939 जापान ने नानकिंग में कठपुतली सरकार का गठन किया. 1939 सोवियत महासंघ में मैत्रिक ने जनरल फ्रांसिस्को फ्रेंको के आगे हथियार डाल दिये. 1947 पेशावर सुभाषचंद्र बोस वापिस पहुंचे. 1945 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने वी-2 रॉकेट से ब्रिटेन पर हमला किया. 1945 अमेरिका ने वेस्ट फिलीपींस पर हमला किया. 947 ब्रिटेन ने बहामास छोड़कर कहीं भी जाने की छूट पर आक्रमित मजदूरों को दिया किया. 1974 इथोपिया में देशभर में अकालों के कारण सरकार की विरोधाभास हो गई. 1986 हैंड्रम के साथ युद्ध में विजयनगर ने बड़ी संख्या में सैनिक भेजे.

दैनिक पंचांग

28 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

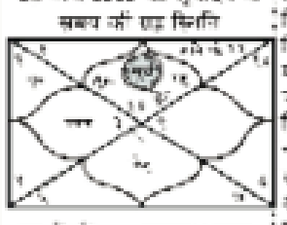

ग्रह	स्थिति	नक्षत्र	चरण
सूर्य	[illegible]	[illegible]	[illegible]
चंद्र	[illegible]	[illegible]	[illegible]
मंगल	[illegible]	[illegible]	[illegible]
बुध	[illegible]	[illegible]	[illegible]
गुरु	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शुक्र	[illegible]	[illegible]	[illegible]
शनि	[illegible]	[illegible]	[illegible]
राहु	[illegible]	[illegible]	[illegible]
केतु	[illegible]	[illegible]	[illegible]

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

रात का चौघड़िया			
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

चौघड़िया मुहूर्त- शुभ [illegible] लाभ [ill

गर्मियों में त्वचा सम्बन्धी समस्याओं को खत्म करता है नमक

गर्मियों के मौसम में महिलाओं को कई तरह की त्वचा सम्बन्धी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गर्मी में पसीने और धूप के कारण त्वचा काफी टैन और बेजान हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप इस मौसम में अपनी स्किन का खास ख्याल रखें। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए नमक के कुछ घरेलू घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जिसका इस्तेमाल करते हुए आप अपनी त्वचा को इस मौसम में सुरक्षित रख सकती हैं।

कहा जाता है कि ज्यादा नमक के सेवन से त्वचा रोग होते हैं। खुजली होने के कई कारणों में नमक भी एक कारण है। शरीर में जलन, खुजली, त्वचा पर लाल चकत्ते नमक की अधिकता से होते हैं। अगर आपके बाल जरूरत से ज्यादा झड़ रहे हैं तो सोडियम की अधिकता होना इसका एक कारण है। यह सोडियम ज्यादा नमक के सेवन से बनता है जो ज्यादा बन जाए तो बालों की जड़ों को कमजोर कर डालता है। ज्यादा नमक का सेवन करने से होने वाले इन समस्याओं के बावजूद नमक त्वचा को सुरक्षित रखता है, कैसे आइए जानते हैं एक नजर-

टोनर की तरह करें नमक का इस्तेमाल

ऑयली त्वचा से छुटकारा पाने के लिए नमक का इस्तेमाल किया जा सकता है। नमक को टोनर की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए इसे एक साफ बोतल में हल्का गुनगुना पानी और नमक अच्छे से मिलाएं। आप रूई का इस्तेमाल कर मिश्रण को चेहरे पर लगा सकते हैं।

नमक मिले पानी से नहाएँ

ड्राई स्किन से परेशान लोग नहाने के पानी में नमक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कप पानी में आधा कप नमक डालें और इसे अच्छी तरह से मिलाएं। आप चाहें तो बाथटब को नमक डालकर पानी से भी भर सकते हैं और 15 मिनट तक बैठ सकते हैं।

स्क्रब की तरह करें नमक का इस्तेमाल

अपनी धूप से आपकी स्किन टैन हो गई है तो इसके लिए एक चम्मच नारियल तेल और नमक मिलाएं। इसको बॉडी पर स्क्रब करें।

नमक से बनाएं फेस मास्क

नमक का फेस मास्क बनाने के लिए तीन चम्मच शहद और एक चम्मच नमक मिलाएं। इस पेस्ट को अच्छे से मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद चेहरे को साफ कर दें।

क्या आप भी हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से जूझ रहे हैं

आज के समय में हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से बहुत से लोग पीड़ित होते हैं। इस स्थिति में थायरॉयड ग्रंथि आवश्यकता से अधिक थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है।

आज के समय में हाइपरथायरायडिज्म की समस्या से बहुत से लोग पीड़ित होते हैं। इस स्थिति में थायरॉयड ग्रंथि आवश्यकता से अधिक थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है। जिसकी वजह से शरीर में कई तरह की दिक्कतें होने लगती हैं, जैसे अनिद्रा, हार्ट रेट का फास्ट चलना, कमजोरी महसूस होना, वजन घट जाना, कंपकंपी होना, डरना और थायराइड का बढ़ना आदि। लेकिन आज के समय में ऐसी किसी भी स्थिति में घबराने की बात नहीं होती। क्योंकि ऐसी ढेरों दवा या खाद्य सामग्री होती है, जो थायराइड से संबंधित समस्या और उसके लक्षणों को कम कर सकती है। हमारे बड़े बुजुर्ग भी अक्सर कहा करते थे, कि अच्छा खाना ही आपको बीमारियों से लड़ने की शक्ति भी देता है और बचाकर भी रखता है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर थायरॉयडिज्म की स्थिति से जूझने वाले लोगों के लिए क्या खाना सही है और क्या खाना गलत।

न्यूट्रिएंट रिच फूड खाएं

इस स्थिति से निपटने के लिए आपको ऐसी खाद्य सामग्री का सेवन भी करना होगा। जिनके अंदर कई तरह के विटामिन-मिनरल्स और खनिज पदार्थ शामिल हों। इसके लिए आप फास्फोरस, ड्राई फ्रूट्स, सीड्स, एवोकाडो, आदि का सेवन कर सकते हैं। इन खाद्य सामग्रियों के अंदर मौजूद कैल्शियम, जिंक, आयरन जैसे तत्व आपको सूजन से भी बचाते हैं और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बेहतर करते हैं। यही नहीं इन खाद्य सामग्रियों के जरिए हड्डियां भी मजबूत रहती हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

अगर आज किसी भी बड़े बुजुर्ग से पूछेंगे कि सेहतमंद रहने के लिए कौन सी सब्जी सबसे ज्यादा फायदेमंद है। यही नहीं बल्कि विज्ञान और आयुर्वेद भी हरी फोलेट सब्जी को ही फेवरी करते हुए दिखाई देंगे। पर अगर आपको थायराइड से जुड़ी कोई समस्या है तो आपके लिए हरी फोलेट सब्जियों में भी वह अधिक फायदेमंद होंगी, जो प्रतिरोधकी के परिवार से आती है, जैसे ब्रोकोली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स, बोक चोय, काले, फूलगोभी, सलजम आदि। आपको बता दें कि यही सब्जियां हैं जो आयोडीन का उपयोग शरीर में सुचारू ढंग से चला सकती हैं।

करें इन मसालों का सेवन

भारतीय रसोई के भीतर सदियों से ढेरों मसालों को उपयोग खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता है। वहीं आयुर्वेद के नजरिए से सालों किए जाने वाले यह मसाले पोषक तत्वों का खजाना होते हैं, जो कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अंत कर सकते हैं। वहीं ऐसा ही कुछ अब हिसाब भी मानने लगा है। अगर आपको थायराइड से जुड़ी दिक्कतों से पार पाना है तो आप अदरक, हल्दी, काली मिर्च, लौंग और मिंट का सेवन कर सकते हैं। इन मसालों के अंदर कई एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं जो आपकी थायराइड की समस्या और उसके लक्षणों को कम कर सकते हैं।

क्या ना खाएं

ऐसा कहा जाता है जिस तरह एक सही डाइट आपकी समस्याओं को हर लेती है। उसी तरह कुछ गलत चीजें आपकी छोटी मोटी दिक्कतों को बड़ी समस्याओं में तब्दील कर देती हैं। इसलिए जितना जरूरी यह है कि आपको क्या खाना चाहिए, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है कि आपको क्या नहीं खाना चाहिए। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जो आपको थायराइड की समस्या के दौरान बिल्कुल भी नहीं खानी चाहिए।

आयोडीन युक्त पदार्थ

अगर आप थायराइड से संबंधित समस्या से जूझ रहे हैं तो ऐसे में जरूरी है कि आप आयोडीन युक्त खाद्य सामग्री का सेवन कम से कम करें या बिल्कुल भी ना करें। क्योंकि अगर आप आयोडीन युक्त पदार्थों का सेवन करते हैं तो इससे ग्रेव्स डिजीज नाम की एक और इन्फ्लू स्थिति पैदा हो जाती है। इसलिए आयोडीन युक्त पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए, जैसे दूध, पनीर, एग योल्क और मछलियां आदि।

ग्लूटेन युक्त सामग्री

थायराइड की समस्या से परेशान व्यक्ति को ग्लूटेन युक्त खाद्य सामग्री का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल इसकी वजह से शरीर में सोजन को सूजन और एलर्जी की समस्या हो सकती है। आमतौर पर सही के अंदर इस्तेमाल किया जाने वाला गेहूं, माल्ट और खमीर के अंदर ग्लूटेन होता है। इसलिए इस तरह के पदार्थों से दूरी बनाकर रखें।

सोया

सोया उत्पाद का सेवन भी थायराइड की स्थिति में नहीं करना चाहिए। हालांकि इसके अंदर आयोडीन नहीं होता लेकिन हाल ही में टोफू को लेकर कई अध्ययन हो चुके हैं। यह अध्ययन कहता है कि सोया थायराइड की स्थिति को बिगाड़ सकता है। इसलिए इसके सेवन से पूरी तरह बचें।

कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

आमतौर पर घरों या दफ्तरों में लोग चाय, कॉफी या चॉकलेट का सेवन करते हैं, जिनमें कैफीन होता है। इनके सेवन से घबराहट, चिड़चिड़ापन, और हार्ट रेट बढ़ सकता है। जो हाइपरथायरायडिज्म की स्थिति के लक्षणों को बढ़ाने का कार्य कर सकता है। अगर आपको यह समस्या है और आप सुबह की शुरुआत में ही चाय या कॉफी का सेवन करते हैं तो आप इसकी जगह हर्बल चाय, पानी या सेब के सिरके को पानी में मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

खाली पेट खट्टे फलों के सेवन से हो सकते हैं नुकसान

सुबह का नाश्ता हम सभी के लिए जरूरी है और ब्रेकफास्ट में हम सभी का खास-खास अलग फेवरेट होता है। जैसे किसी को सुबह के नाश्ते में पोहा और उसका खासा फायदा है तो कोई भोग चने या फिर फलों का सेवन करता है। नाश्ते की सब्जियों में सलाद का रस, ब्रोकोली और बेट जिसमें बहुत अलग-अलग लाभ सकते हैं, लेकिन क्या आपने कभी ऐसी चीजें सुबह खाली पेट खाने से हमारी सेहत को लाभ मिलते हैं? चूंकि खट्टे फलों में एसिड पाया जाता है, जो हमारे एसिड वाली मुश्किलों का कारण हो सकता है। इसी तरह, खमीर युक्त ब्रेड भी पेट की सेहत को प्रभावित कर सकती है, जो भविष्य में गैस्ट्रिक की समस्या का कारण बन सकती है। इसलिए आज हम कुछ ऐसे फूड आइटम्स के बारे में आपको जानकारी दे रहे हैं जिनके खाली पेट सेवन करने से आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

पपीता

मल त्याग को कंट्रोल करने के लिए पपीता का सेवन सही विकल्प है। खाली पेट खाने के लिए पपीता एक सुपरफूड है। सामान्य विश्वास यह है कि पपीता 12 माह यानी पूरे साल बाजार में मिलता है, इसलिए आप हमेशा के लिए इसे अपने सुबह के नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। ये फल न केवल शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर करने में मदद करता है बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता और दिल की बीमारियों के जोखिम से बचाव करता है।

तरबूज

सुबह के नाश्ते में खट्टे फलों को ठंडे आम एमल जैसे दूसरे फलों को शामिल कर सकते हैं और तरबूज इस सूची में सबसे ऊपर है। 90% पानी से बना यह फल शरीर को हाइड्रेशन की एक बड़ी खुराक प्रदान करता है। यह न केवल सुपर डेमिग को रोकता है बल्कि इसे खाने से हम अतिरिक्त कैलोरी भी नहीं लेते। तरबूज इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है और इसमें अधिक मात्रा में लाइकोपीन पोषक भी होता है जो हृदय व आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

नट्स

हल्दी गट फ्रेंडली स्वस्थ आंत के लिए नाश्ते में मुट्ठी भर नट्स खाना बहुत जरूरी है। यह न केवल पाचन में सुधार करता है बल्कि आपके पेट के फायदेमंद बैक्टीरिया को भी सशक्त करता है। आप अपनी डेली डाइट में किशमिश, बादाम और मिक्स को शामिल कर सकते हैं। हालांकि, आपको इन्हें कम मात्रा में ही खाएं, क्योंकि इसकी अधिक खाने से मिलना और वजन बढ़ सकता है।

पपीता

पपीता को कब्ज को कंट्रोल करने के लिए पपीता का सेवन सही विकल्प है। खाली पेट खाने के लिए पपीता एक सुपरफूड है। सामान्य विश्वास यह है कि पपीता 12 माह यानी पूरे साल बाजार में मिलता है, इसलिए आप हमेशा के लिए इसे अपने सुबह के नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। ये फल न केवल शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर करने में मदद करता है बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता और दिल की बीमारियों के जोखिम से बचाव करता है।

पोरिज

यदि आप कम कैलोरी और अधिक मात्रा के पोषक तत्वों वाला नाश्ता खाना फायदेमंद है तो पोरिज एक बढ़िया विकल्प है। खासकर दलिया से बना पोरिज सुबह के नाश्ते का सुपरफूड है, जो स्वाद में भी लाजवाब है और सेहत के लिए हल्दी भी है। खाली पेट पोरिज खाने से भी शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और आंतों की सेहत भी हल्दी रहती है। दलिया खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है जिससे आप अतिरिक्त खाने से भी बचते हैं।

गर्मी में आपको ऊर्जावान महसूस कराएंगे ये पेय पदार्थ

गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम का मिजाज जब गर्म होता है तो कुछ ठंडा पीने की चाह होती है। इस चाह को पूरा करने के लिए कोल्ड ड्रिंक्स का सहारा लिया जाता है तो क्षणिक तौर पर तो ठंडक देती हैं लेकिन बाद में यह तकलीफ का कारण बनती हैं। आज हम अपने पाठकों को गर्मी से राहत दिलाने वाले कुछ ऐसे ठंडे पेय पदार्थों के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपको न सिर्फ गर्मी से राहत प्रदान करेंगे अपितु ये आपको ऊर्जावान भी महसूस कराएंगे।

नींबू पानी या शिकंजी

नींबू शरीर को हाइड्रेट करता है। नींबू विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है। नींबू टॉक्सिंस को शरीर से बाहर निकालने का काम करता है। आप सिर्फ नींबू को पानी में मिलाकर पी सकते हैं। आप इसकी शिकंजी बनाकर भी पी सकते हैं। यह आप पर निर्भर करता है आप शिकंजी मीठी वाली पीयेंगे या फिर नमक वाली।

छाछ

कैल्शियम, मिनरल, प्रोटीन, विटामिन बी 12 से भरपूर छाछ गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाती है। इसमें इलेक्ट्रोलाइट भी होते हैं और ये बॉडी को हाइड्रेट करके पेट को ठंडा रखती है। आप मसाला छाछ भी बना सकते हैं, इसमें नमक, अदरक-मिर्च का पेस्ट मिला सकते हैं या फिर भुना जीरा पाउडर, सौंधा नमक, पुदीने के पत्ते भी मिलाकर इसका मजा लिया जा सकता है।

सत्तू का शर्बत

सत्तू के गुणों से हर गृहिणी वाकिफ है। शारीरिक ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ गर्मी से भी राहत प्रदान करता है। इसे आप पानी में मिक्स करके नींबू का रस व काला नमक डालकर पिएं।

आम पना

आम पना लू से बचाव करता है और बेहद स्वादिष्ट भी होता है। आप कच्चे आम पानी केरी का छिलका हटाकर उबाल लें। इसकी गुठली निकालकर इसमें काला नमक, शक्कर मिलाकर बॉइल कर लें। फिर इसे कुछ देर के लिए फ्रिज में रखें। चिल्ड सर्व करें, चाहें तो ऊपर से चाट मसाला या भुना जीरा या जीरा पाउडर डाल लें।

नारियल पानी

ये हर मौसम में सुरक्षित है, लेकिन गर्मी में यह पेट व शरीर को ठंडक प्रदान करता है। एनर्जी से भरपूर है और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है। अगर आपको इसे ठंडा करके पीना है तो पानी निकालकर कुछ देर फ्रिज में रख दें।

बेल का शर्बत

यह बेहद गुणकारी है। विटामिन सी, आर्गेनिक, प्रोटीन व फाइबर से भरपूर बेल पेट को ठंडक देता है। इसके गूदे को मैश करके इसमें पानी, शक्कर, काला नमक मिलाकर पीना चाहिए। चाहें तो इसको ठंडा करके पिएं। यह लू से भी बचाव करता है साथ ही पेट को रोग मुक्त रखता है।

गन्ने का रस

गन्ने का रस पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है, शरीर और पेट को भी ठंडक देता है। इसमें पोटेशियम, आयरन व मिनरल्स होते हैं जो गर्मी में एनर्जी प्रदान करते हैं।

दिन भर में 12 गिलास पानी पीयें

पानी गर्मी से निजात दिलाने का सर्वश्रेष्ठ साधन है। गर्मी के दिनों में कम से कम 12 गिलास पानी नियमित रूप से पीयें। हाइड्रेटेड रहने के लिए पानी से बेहतरीन ड्रिंक और भला क्या हो सकता है। पानी से शरीर में जमने वाले टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं। गर्मी के दिनों में हल्का भोजन करें, अल्कोहोल, तेज मसाले व ऊंची चीजें और एरिएटेड/कार्बोनेटेड ड्रिंक्स और फैटी जूस को अपने से दूर रखें। इन चीजों के स्थान पर आप जलजीरा, तरबूज का रस, टमाटर, ककड़ी, शक्कर आदि का जूस लें और मौसमी फल व सब्जियों का सेवन करें।

ओला, उबर की तरह कैब सेवा शुरू करने जा रही सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार अब ओला और उबर की तरह टैक्सी सेवा शुरू करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में एलान किया है कि सरकार ड्राइवरों को राहत देने के लिए सहकार टैक्सी योजना शुरू करने जा रही है। इसमें सहकारी समितियां दो पहिया, टैक्सी, रिक्शा और चार पहिया वाहनों को फंडिंग कर सकेंगी। लोकसभा में योजना की जानकारी देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि के ध्येय पर काम कर रही है। यह केवल एक नारा नहीं है। इसे जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए सहकारिता मंत्रालय पिछले साढ़े

तीन साल से काम कर रहा है। जल्द ही आने वाले महीनों में एक बड़ी सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी। इससे ड्राइवरों को सीधा लाभ मिलेगा।। ओला, उबर के खिलाफ अलग-अलग किराया वसूलने की शिकायतें मिली थी। दिसंबर 2024 में सरकार को शिकायत मिली थी कि कैब कंपनियां, विशेषकर उबर और ओला, आईफोन तथा एंड्रॉयड फोन का उपयोग करने वाले ग्राहकों से अलग-अलग किराया वसूल कर रही हैं। इसके बाद केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दोनों कंपनियों को नोटिस जारी किया था। आरोपों को खारिज करते हुए ओला ने कहा था कि कंपनी के पारदर्शी ग्राहकों के लिए एक समान मूल्य निर्धारण संरचना है। ओला ने एक बयान में कहा था कि समान सवारी के लिए उपयोगकर्ता के स्मार्टफोन के ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर भेदभाव नहीं करते हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हमने सीसीपीए को यह स्पष्ट कर दिया है, और हम इस संबंध में किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करेंगे।

एसी की ऊर्जा दक्षता को दोगुना कर बिजली संकट टाल सकता है भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में अगले दशक में रूम एयर कंडीशनर (एसी) की संख्या में 13-15 करोड़ की बढ़ोतरी होगी। इससे 2035 तक देश की अधिकतम बिजली मांग 180 गीगावाट से अधिक बढ़ सकती है, जो कुल अनुमानित मांग का 30 फीसदी है। इससे देश में बिजली संकट उत्पन्न हो सकता है।
कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के भारत ऊर्जा एप

जलवायु केंद्र (आईईसीसी) के अध्ययन में कहा गया, भारत अगले 10 वर्षों में कमरे के एसी की ऊर्जा दक्षता को दोगुना कर गंभीर बिजली संकट से बच सकता है और ग्राहकों को 2.2 लाख करोड़ रुपये तक की बचत करा सकता है। अध्ययन के मुताबिक, बिजली की मांग बढ़ाने में एसी की सबसे अधिक भूमिका होती है। आर्थिक विकास और एसी की बढ़ती मांग के कारण भारत की कुल बिजली खपत में घरेलू क्षेत्र का हिस्सा 2012-13 के 22 फीसदी से बढ़कर 2022-23 में 25 फीसदी हो गया है। चालू वित्त वर्ष में बिकेंगे 14 लाख एसी गर्मी जल्द शुरू होने से चालू वित्त वर्ष में देश में 14 लाख यूनिट एसी बिकने की उम्मीद है।

टिक टॉक बेचो, टैक्स में छूट पाओ...

डील फाइनल के करने के लिए ट्रंप ने चीन को दी धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक को बेचने के लिए मजबूर कर रहे हैं? ट्रंप ने कहा है कि अगर चीन टिक टॉक को बेचता है तो वह चीन पर लगे टैरिफ (टैरिफ) में थोड़ी छूट दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा, शायद मैं इसे पूरा करने के लिए टैरिफ में थोड़ी कमी कर दूं या कुछ और करूंगा। इसका मतलब है कि ट्रंप टिक टॉक डील को फाइनल करने के लिए चीन को कुछ फायदे दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि टिक टॉक पर चीन के साथ किसी तरह का समझौता होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह समय पर नहीं हुआ तो यह डेडलाइन को 5 अप्रैल से आगे बढ़ा देंगे। ट्रंप ने कहा, चीन को इसमें एक भूमिका निभानी होगी, संभवतः मंजूरी के रूप में और मुझे लगता है कि वे ऐसा करेंगे। मतलब, चीन की मंजूरी इस डील के लिए जरूरी है।

अमेरिका में संकट में टिक टॉक

टिक टॉक की मुश्किलें अमेरिका में तब शुरू हुईं, जब एक अमेरिकी कानून में कहा गया कि इस ऐप को अपनी चीनी पैरेंट कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका को डर है कि चीन इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अमेरिकियों पर नजर रखने या उन्हें प्रभावित करने के लिए कर सकता है।
यह कानून 19 जनवरी को लागू हुआ था। यानी ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले। हालांकि, उन्होंने बाद में एक और आदेश जारी किया, जिससे टिक टॉक का काम काज जारी रहा। ट्रंप ने पहले भी अपने पहले कार्यकाल में टिक टॉक के अमेरिकी कारोबार पर रोक लगाने की कोशिश की थी।

ऐप स्टोर से हटा दिया था

जनवरी में टिक टॉक ने कुछ समय के लिए अमेरिका में काम करना बंद कर दिया था और ऐप स्टोर से हटा दिया गया था। ऐसा डेडलाइन करीब आने की वजह से हुआ था, जिससे लाखों यूजर्स प्रभावित हुए थे। 20 जनवरी को अपना दूसरा कार्यकाल शुरू करने के बाद ट्रंप ने चीन के साथ समाधान खोजने के लिए बैन को 75 दिनों के लिए रोक दिया। फरवरी में टिक टॉक ने अमेरिका में अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दी और एप्पल और गूगल के प्लेटफॉर्म पर वापस आ गया।

कौन खरीदना चाहता है इसे

हाल ही में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कंपनी पर्पलटी ने टिक टॉक को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इस अमेरिकी कंपनी ने एक बॉन्ड पोस्ट में बताया कि वो अपनी एआई सर्च टेक्नोलॉजी को टिक टॉक के वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म के साथ जोड़ना चाहती है। रॉयटर्स की रिपोर्ट पर्पलटी ने कहा, पर्पलटी के आरएसई इंजन को टिक टॉक की विशाल वीडियो लाइब्रेरी के साथ मिलाकर हम दुनिया को रास्ते अलग सर्च एक्सपीरियंस दे सकते हैं।

7000 पर जाएगा टाटा का यह शेयर, खरीदने की मची लूट

24 में से 17 एक्सपर्ट की सलाह - खरीद दो

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज शुरुआती कारोबार में ही 2.3 प्रतिशत चढ़कर 5445 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म मैकेरी ने टाटा समूह के ट्रेंट पर 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग के साथ कवरेज शुरू की है। ब्रोकरेज ने स्टॉक के लिए 7,000 का टारगेट रखा है, जो गुरुवार के बंद भाव 5318.85 रुपये से 32 प्रतिशत की संभावित बढ़त दिखा रहा है।

ब्रोकरेज ने क्या कहा

मैकेरी ने अपने नोट में लिखा है कि ट्रेंट वैल्यू-टू-मिड-प्रीमियम सेगमेंट में भारत का अग्रणी फैशन रिटेलर है, जो विकास, रिटर्न प्रोफाइल और इन्वेंट्री दक्षता में अपने एशियाई कम्पिटिटर से बेहतर परफॉर्म कर रहा है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि यह गति जारी रहेगी। ब्रोकरेज ने कहा कि भारत में फैशन के क्षेत्र में बढ़ते डिस्क्रेशनरी खर्च पर आधारित ट्रेंट एशिया में कुछ बेहतरीन खुदरा बिक्री मोमेंटम का दावा करता है। बता दें कि हाल ही में कंपनी ने यह घोषणा की है कि उसके ब्रांड वेस्टसाइड ने कई शहरों में तीन और स्टोर खोले हैं, जिससे उसके स्टोर की कुल संख्या 244 हो गई है। तीन अलग-अलग एक्सचेंज फाइलिंग में, ट्रेंट ने जोधपुर, जयपुर और चेन्नई में तीन नए वेस्टसाइड स्टोर खोलने की घोषणा की।

अन्य ब्रोकरेज की राय

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने ट्रेंट को 5,150 के टारगेट प्राइस के साथ 'रिड्यूस' रेटिंग दी थी। कोटक को वेस्टसाइड और जुडियो के अपने नए स्टोरों के कारण ट्रेंट के रेवेन्यू ग्रोथ पर दबाव देखने को मिल रहा है। इससे पहले फरवरी में गोल्डमैन सैक्स ने कहा था कि ट्रेंट के शेयरों में देखी गई कमजोरी पोजीशन जोड़ने का एक अवसर है।

ट्रंप टैरिफ का झटका, टाटा मोटर्स के शेयर हुए धड़ाम, 6 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स के शेयर गुरुवार को धड़ाम हो गए हैं। ऑटोमोबाइल कंपनी के शेयर ओएसई में 6 पर्सेंट से ज्यादा टूटकर 661.35 रुपये पर जा पहुंचे हैं।
जगुआर लैंड रोवर की पैरेंट कंपनी टाटा मोटर्स के शेयरों में यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक अनाउंसमेंट के बाद आई है। ट्रंप ने इंपोर्टेड कारों और हल्के ट्रकों पर 25 पर्सेंट टैरिफ लगाने की घोषणा की है। यह टैरिफ 2 अप्रैल 2025 से प्रभावी होंगे। टाटा मोटर्स के अलावा दूसरे ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट देखने को मिली है।
JLR के लिए अहम मार्केट है अमेरिका- जगुआर लैंड रोवर के लिए अमेरिका एक बेहद अहम मार्केट है। जेएलआर की फाइनेंशियल ईयर 2024 की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी की टोटल सेल्स में यूएस मार्केट की हिस्सेदारी 22 पर्सेंट रही है।
अगर पिछले छह महीने में टाटा मोटर्स के शेयर परफॉर्मेंस की बात करें तो कंपनी के शेयरों में 30 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। टाटा मोटर्स के शेयर 27 सितंबर 2024 को 993 रुपये पर थे। ऑटोमोबाइल कंपनी के शेयर 27 मार्च 2025 को लुढ़ककर 661.35 रुपये पर पहुंच गए हैं।

भारतीय उद्योगपतियों को रास नहीं आ रहा अपना ही देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 22 फीसदी अमीरों को अपना ही देश रास नहीं आ रहा। कोटक प्राइवेट की एक रिपोर्ट के अनुसार 22 फीसदी भारतीय रहने की स्थिति, विदेशों में बेहतर जीवन स्तर और आसान कारोबारी माहौल के कारण दूसरे देश में बसने की इच्छा रखते हैं। कोटक प्राइवेट द्वारा मंगलवार को जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है। देश के 150 अमीर लोगों पर हुए सर्वेक्षण में ये नतीजा सामने आया है। दो तिहाई लोग इसलिए विदेश में बसना चाहते हैं, क्योंकि वहां कारोबार करना आसान है। पांच देश पहली पसंद देश के जो अमीर विदेशों में बसना चाहते हैं उनकी पहली पसंद अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) है। सर्वेक्षण में लोगों ने बताया कि वे यूएई में उनके गोल्डन वीजा योजना के कारण बसना चाहते हैं क्योंकि इसके कई लाभ हैं।

क्या पूरा पैसा भी भारत से ले जाएंगे

कोटक महिंद्रा बैंक की अध्यक्ष शांति एकांबर का कहना है कि अमीरों के विदेश जाने का मतलब ये नहीं है कि वे अपना पूरा पैसा भी भारत से ले जाएंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि कुछ नियम और शर्तें हैं जिसके तहत कोई व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता है।

अस्पतालों की नहीं चलेगी मनमानी, सरकार लाएगी नया नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार देशभर के अस्पतालों, नर्सिंग होम और जांच केंद्रों में बिलिंग प्रक्रिया को पारदर्शी और एकसमान बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार जल्द ही सभी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए एक मानकीकृत बिलिंग प्रारूप पेश करेगी। इसमें इलाज के खर्च का सही और विस्तृत ब्यौरा देना अनिवार्य होगा। इस कवायद का मकसद बिलिंग में होने वाली गड़बड़ियों और अस्पतालों की मनमानी को रोकना है।
मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस नए बिलिंग प्रारूप को भारतीय मानक ब्यूरो और स्वास्थ्य मंत्रालय मिलकर तैयार कर रहे हैं। क्यूसीआईएस ने पिछले साल इस प्रक्रिया को शुरू किया था और इसके लिए स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों, मरीजों के संगठनों और अन्य हितधारकों से सलाह ली है।
नए प्रारूप में बिल में शामिल होने वाली अनिवार्य और वैकल्पिक चीजों को भी निर्धारित किया गया है। इससे मरीजों को यह समझने में आसानी होगी कि उनके पैसे का उपयोग कहां हुआ।

मरीजों को होगा बड़ा फायदा- इस नए प्रारूप के लागू होने से मरीजों को कई तरह के फायदे होंगे। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि उन्हें अपने बिल का हर हिस्सा समझने का मौका मिलेगा। अभी कई बार बिल में एकमुश्त राशि लिखी होती है जिसमें यह नहीं बताया जाता कि कितना पैसा किस चीज पर खर्च हुआ। नए नियम में जरूरत पड़ने पर वे बिल की जांच कर सकेंगे और गलत शुल्क लगने पर शिकायत कर सकेंगे।

ये जानकारियां जरूरी

- चिकित्सा प्रक्रिया - इसके तहत प्रतिदिन कमरे का किराया, कमरे का प्रकार, डॉक्टर और विशेषज्ञ परामर्श के लिए शुल्क, सर्जरी शुल्क, सर्जन शुल्क, एनेस्थीसिया शुल्क, ऑपरेशन थिएटर चार्ज, रोजाना होने वाली रासायनिक चीजों की सूची (चेक जांच, एक्स-रे, एमआरआई) जैसे सभी शुल्कों का स्पष्ट विवरण शामिल होगा।
- दवाएं- वितरित दवाओं की सूची, प्रत्येक दवा की मात्रा और कीमत, पैकेजिंग और समाप्ति तिथि, चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएं और डिस्पोजेबल, सर्जिकल, दस्ताने, पैकेटर इत्यादि जैसी वस्तुएं, प्रत्येक वस्तु की मात्रा और कीमत, पैकेजिंग और समाप्ति तिथि और नर्सिंग शुल्क भी शामिल होंगे।
- अन्य खर्च - इसके तहत उपस्थित डॉक्टरों का पदनाम, छूट या रियायतें, आपातकालीन सर्चार्ज या अन्य जरूरी चिकित्सा जानकारी जैसी विवरण शामिल हो सकते हैं।

पढ़-लिखकर नौकरी की जगह भाई-बहन की जोड़ी ने किया अपना काम, अब बंपर कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। नासिक के रहने वाले निशा और भूषण जाधव भाई-बहन हैं। उनकी जोड़ी ने निशा और शेफ को मिलाकर एक सफल बिजनेस शुरू किया है। उन्होंने द फूड फैंटेसी नाम से फूड ट्रक की शुरुआत की है। निशा एमबीए हैं। भूषण ने होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। नौकरी करने के बजाय उन्होंने अपना बिजनेस करने का फैसला किया। सिर्फ चार महीने में ही उनका फूड ट्रक हर महीने 70,000 रुपये कमाने लगा। भाई-बहन साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखते हैं। खुद ही आर्डर, पिज्जा और मोमोज जैसे लोकप्रिय व्यंजन बनाते हैं। हर शाम उनके फूड ट्रक के सामने खाने वालों की भीड़ लग जाती है। आइए, यहां निशा और भूषण जाधव की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।
पढ़े-लिखे हैं भाई-बहन - निशा और भूषण जाधव नासिक से हैं। वे भाई-बहन हैं। उन्होंने मिलकर द फूड फैंटेसी नाम का फूड ट्रक शुरू किया है। निशा ने एमबीए किया हुआ है। वहीं, भूषण ने होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई की है। दोनों ने नौकरी करने की जगह अपना बिजनेस शुरू करने के बारे में सोचा। फिर बिना देरी किए इस दिशा में कदम बढ़ा दिए।
कुछ महीनों में ही बंपर कमाई - निशा और भूषण का फूड ट्रक अभी कुछ महीने पहले ही शुरू हुआ है। लेकिन, यह बहुत जल्दी ही सफल हो गया है। उन्हें अपने बिजनेस को ब्रेक-ईवन पर लाने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। बिजनेस में ब्रेक-ईवन वह पॉइंट होता है जहां कुल राजस्व (कुल बिक्री) कुल लागत के बराबर होता है। अब यह फूड ट्रक हर महीने 70,000 रुपये कमा रहा है। सारे खर्च निकालने के बाद दोनों को यह कमाई होती है। निशा और भूषण खाने की चीजों को साफ-सुथरा रखते हैं। लेबर कॉस्ट कम रखने के लिए वे खुद ही आर्डर, पिज्जा और मोमोज बनाते हैं।

आत्मनिर्भर होने की खुशी

निशा और भूषण अपने बिजनेस से बहुत ज्यादा दिलचस्पी लेते हैं। दोनों इस बात से बेहद खुश हैं कि उनके बिजनेस ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही कई लोगों को रोजगार देने की स्थिति में होंगे। इस बिजनेस के कारण उन्हें अपने सपनों को पूरा करने में मदद मिली है। वे अब अपने फैसले खुद ले सकते हैं और जो करना चाहते हैं, वो कर सकते हैं।

मनोबल बढ़ाती हैं यह जोड़ी

भाई-बहन की यह जोड़ी लोगों को बहुत प्रेरित करती है। यह उन युवाओं के लिए भी एक उदाहरण है जो अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं। निशा और भूषण की कहानी दिखाती है कि अगर आप में कुछ करने का जुनून है तो आप अपनी पढ़ाई और हुनर का इस्तेमाल करके सफल हो सकते हैं। इसमें कोई भी चीज बाधा नहीं बन सकती है।

देशभर में कई जगहों पर यूपीआई सेवा हुई ठप

उपयोगकर्ताओं को भुगतान करने में हो रही परेशानी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में यूपीआई की सेवा कई जगहों पर ठप हो गई है, जिससे लोगों को डिजिटल भुगतान करने में दिक्कत हो रही है। कई उपयोगकर्ताओं ने शिकायत की है कि उनके यूपीआई पेमेंट फेल हो रहे हैं या बहुत देर से प्रोसेस हो रहे हैं। कई बैंकों के ग्राहक को यूपीआई के जरिए पैसे भेजने और लेनदेन करने में दिक्कत आ रही है। यूजर्स ने यूपीआई लेन-देन से जुड़ी समस्या को लेकर अपनी शिकायत और नाराजगी इंटरनेट पर जाहिर कर रहे हैं।
सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं- कई व्यापारियों ने बताया कि ग्राहक यूपीआई से भुगतान नहीं कर पा रहे हैं, जिससे लेन-देन भी प्रभावित हो रहा है।

ऐसी स्थिति में क्या करें

अगर आपका यूपीआई भुगतान फेल हो रहा है तो आप कुछ समय बाद ही दोबारा कोशिश करें। लेकिन इससे पहले इस मामले से जुड़े अपडेट के लिए एनपीसीआई और अपने बैंक की आधिकारिक वेबसाइट या प्रामाणिक समाचार फर्मों के सोशल मीडिया पेज को जरूर देख लें। इसके अलावा, नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या कैश के जरिए अपने सभी भुगतान करें।
एनपीसीआई की आधिकारिक प्रतिक्रिया- वहीं इस मामले पर यूपीआई का संचालन करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने प्रतिक्रिया दी है। भुगतान विनियामक ने एक्स पर कहा, एनपीसीआई को रोक-रोक में तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा था, जिसके कारण यूपीआई में आंशिक गिरावट आई थी। अब इसे सुलझा लिया गया है और सिस्टम स्थिर हो गया है। असुविधा के लिए खेद है। जानकारी के अनुसार शाम सात बजे के बाद अचानक से यूपीआई से भुगतान फेल होने की शिकायतों की बाढ़ सी आ गई है।

ये तो अन्याय है...! क्विंटन डि कॉक को मिल गया प्लेयर ऑफ द मैच

गुवाहाटी (एजेंसी)। क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है। नियम से लेकर परिस्थिति ऐसी होती है कि अनिश्चितताओं को फायदा मिले। आईपीएल के पिछले कुछ सीजन से बड़े स्कोर देखने को मिल रहे हैं। लीग के 10 सबसे बड़े स्कोर में से 9 तो पिछले सीजन से लेकर अब तक बन चुके हैं। प्लेयर ऑफ द मैच देने में भी अनिश्चितताओं की आशंका मिलती है। ऐसा ही कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के मैच में भी हुआ।

क्विंटन डिकॉक प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में केकेआर ने आरआर को 8 विकेट से हराया। पहले खेलते हुए राजस्थान की टीम सिर्फ 151 रन बना सकी। जवाब में केकेआर ने 18वें ओवर में रनचेज कर लिया। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 97 रनों की पारी खेली। 61 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 8 चौके और 6 छक्के मारे। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

राजस्थान को रोकने वाले गेंदबाजों का क्या?

कोलकाता को मिली इस जीत में गेंदबाजों का योगदान सबसे ज्यादा था।

जीत के असली हीरो थे गेंदबाज, देखते रह गए

उनकी वजह से ही राजस्थान की टीम 151 रन पर रुक पाई। यह आसान रनचेज था और उसमें डिकॉक ने 97 रन बनाए। केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने कप्तान रियान पराग और ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा को आउट किया। वह प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के सबसे बड़े दावेदार थे। मोईन अली ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर संजू सैमसन और नीतीश राणा के बड़े विकेट लिए। इन दोनों की वजह से ही केकेआर को छोटा टारगेट मिले। केकेआर के लिए रमनदीप सिंह ने नंबर पर बैटिंग करते हैं। उनकी गेंदबाजी इतनी सस्ती है कि 151 का चेज हो ही जाता था। लेकिन टीम की जीत के असली हीरो मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती थे। प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के हकदार इन दोनों में से कोई एक गेंदबाज था।

मोईन और वरुण ने किया कमाल

केकेआर से मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने बेहद किफायती गेंदबाजी की, दोनों ने 2-2 विकेट भी लिए। गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में बल्लेबाजी चुनी। राजस्थान ने 9 विकेट खोकर 151 रन बनाए। टीम से रन जुटेंगे 33 और कप्तान रियान पराग ने 25 रन बनाए। कोलकाता ने 17.3 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

1. प्लेयर ऑफ द मैच

152 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक ने तेज बैटिंग की। उनके सामने मोईन अली को खेलने में बड़ी परेशानी हो रही थी, लेकिन डी कॉक ने अपने सामने बैटर्स पर दबाव नहीं आने दिया। उन्होंने बैटिंग के लिए मुश्किल और धीमी पिच पर 8 चौके और 6 छक्के लगाए। डी कॉक ने महज 61 बॉल पर 97 रन बनाए और टीम को 15 गेंद पर पहले जीत दिला दी।

2. जीत के हीरो

वैभव अरोड़ा- नई गेंद से वैभव ने बेहतरीन गेंदबाजी की और टीम को पहला विकेट दिलाया। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड किया। फिर आखिर में शुभम दुबे को भी कैच कराया।

मोईन अली-सुनील नरेन की जगह मैच खेलने उतरे मोईन ने गेंदबाजी के 4 ओवर में महज 23 रन दिए। उन्होंने नीतीश राणा और यशस्वी जायसवाल के 2 बड़े विकेट भी लिए।

वरुण चक्रवर्ती- केकेआर के स्पिनर वरुण ने महज 17 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने राजस्थान के कप्तान रियान पराग और वनिंदु हसरंगा को पवेलियन भेजा।

3. फाइटर ऑफ द मैच

राजस्थान से कप्तान रियान पराग ही फाइट दिखाते नजर आए। उन्होंने धीमी पिच पर 3 छक्के लगाए और महज 15 गेंद पर 25 रन बनाए। फिर गेंदबाजी के 4 ओवर में 25 रन ही दिए। हालांकि, उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने केकेआर बैटर्स पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की।

4. टर्निंग पॉइंट

कोलकाता के स्पिनरों ने पहले गेंदबाजी करते हुए राजस्थान पर दबाव बनाया। मोईन और वरुण ने 8 ओवर में 40 ही रन दिए और 4 विकेट झटक लिए। बैटिंग में डी कॉक और अंगकृष रघुवंशी की पार्टनरशिप गेमचेंजर रही। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 44 गेंद पर ही 83 रन की पार्टनरशिप कर दी।

कप्तान रियान पराग ने कहा

170 अच्छा स्कोर रहता। मैंने बैटिंग में बहुत जल्दबाजी की, इसलिए हम 20 रन कम बना सके। हम स्पिन के सहारे क्विंटन को जल्दी आउट करने की कोशिश कर रहे थे। टीम मैनेजमेंट ने मुझे नंबर-3 पर भेजा, इसलिए मैं उनके फैसले से खुश हूं। इस साल हमारे पास युवा टीम है, इसलिए सभी सीख रहे हैं। हम अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश कर रहे हैं।

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा

हमने शुरुआती 6 ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की। मिडिल ओवर्स बहुत जरूरी थे, मोईन ने मौके को भुनाया और बेहतरीन गेंदबाजी की। वे बैटिंग में नहीं चले, लेकिन उनके प्रदर्शन से खुश हूं। इस पॉइंट में हम चाहते हैं कि खिलाड़ी निडर होकर खेलें। गेंदबाजों को पूरा क्रेडिट जाता है, जिन्होंने विकेट लेने पर ही ध्यान दिया।

टॉम लैथम पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

दाहिने हाथ में फ्रैक्चर, इनेनी निकोल्स टीम में शामिल; 29 मार्च से शुरू होगी सीरीज

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम लैथम चोट की वजह से पाकिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। प्रैक्टिस के दौरान उनका दाहिना हाथ फ्रैक्चर हो गया है। उनकी जगह बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है। वहीं लैथम की गैरमौजूदगी में मध्यक्रम बेसकेल टीम की कमान संभालेंगे। दोनों टीमें 29 मार्च से 3 मैचों की वनडे सीरीज में भिड़ेंगी। सीरीज का आखिरी मुकाबला 5 अप्रैल को खेला जाएगा। दरअसल, लैथम को इस हफ्ते नेट पर बल्लेबाजी करते समय चोट लग गई थी। एक्स-रे के बाद पता चला कि उनके हाथ में फ्रैक्चर है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि, उन्हें कम से कम चार हफ्ते मैदान से दूर रहना होगा। टॉम लैथम ने अभी तक 157 वनडे मैच खेले हैं। हेनरी निकोल्स अभी तक 78 वनडे मैच खेल चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में आई चोट के बाद छह पारियों में पांच अर्द्धशतक बनाकर वापसी की है। वे इस मैच में लैथम की जगह बल्लेबाजी करेंगे। इस बीच स्लामी बल्लेबाज फिन एलन अपनी प्रेगनेंट पत्नी जेनिफर मॉरिसन के साथ रहने के लिए दूसरे और तीसरे वनडे मैच से बाहर रहेंगे। एलन शनिवार को नेपियर में सीरीज का पहला मैच खेलेंगे।

मेसी 14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। लियोनेल मेसी 14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलने के लिए अर्जेंटीना टीम के साथ आएंगे। बुधवार को अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन इसकी घोषणा की। इससे पहले मेसी ने 2011 में भारत का दौरा किया था, जब अर्जेंटीना ने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन मैच खेला था। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुररहिमन ने पिछले साल नवंबर में अर्जेंटीना की टीम का केरल का दौरा करने और कोच्चि में दो दोस्ताना मैच खेलने की घोषणा की थी। एक्सक्लूसिव इंडिया बुधवार को भारत में फुटबॉल के समर्थन और प्रचार के लिए अर्जेंटीना की टीम का आधिकारिक साझेदार बन गया। उसने घोषणा की कि मैच अक्टूबर में आयोजित किए जाएंगे। एक्सक्लूसिव इंडिया ने बताया कि इस साझेदारी के तहत विश्व विजेता खिलाड़ी लियोनेल मेसी समेत अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भारत का दौरा करेगी। अर्जेंटीना ने 2022 में 36 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप खिताब जीता था। इससे पहले अर्जेंटीना 1986 में विश्व कप जीता था। कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हरा दिया। जब 90 मिनट तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रही थीं। एक्स्ट्रा टाइम के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। फाइनल में मेसी ने दो गोल किए। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई थी। अर्जेंटीना 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बना था। अर्जेंटीना ने 26 मार्च को ब्राजील को 4-1 से हरा कर 2026 वर्ल्ड कप कप के लिए क्वालिफाई किया है। इस मैच में लियोनेल मेसी नहीं खेले थे।

केएल राहुल अगला मैच खेल सकते हैं

दिल्ली के फिटनेस के लिए बड़ा मैच नहीं खेले; 24 मार्च को मिला बर्थडे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल 30 मार्च को होने वाले दिल्ली के मैच के अगले मैच खेल सकते हैं। हाल ही में राहुल पिता बने हैं। 24 मार्च को उनके यहां बेटी ने जन्म लिया। डॉ. इसकी वजह से वो टूर्नामेंट का पहला मैच नहीं खेल पाए। टीम के द्वारा मैच समर राहुल को है दरअसल के खिलाफ विशाखापट्टनम में होने वाला है। केएल राहुल की पत्नी अभिनेत्री होने नवंबर 2024 में अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी। 18 जनवरी को केएल राहुल ने उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह की देहरी से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया।

क्रिकेटर्स यह क्रिकेटर ने फुटबॉल पर दी जानकारी एक्सक्लूसिव ने फुटबॉल मैच एक्स्क्लूसिव ने रवीन्द्रसिंह कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि हेनरी क्लास की जगह कौन आता है। उनके पास केएल राहुल हैं। जो शायद पहले कुछ मैच नहीं खेलेंगे।

आईपीएल में गेंदबाजों की बर्बादी देख अश्विन का छलका, बोले- पर्सनल साइकोलॉजिस्ट की जरूरत

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अनुभवी खिलाड़ी आर अश्विन ने टी20 फॉर्मेट में गेंदबाजों के सामने आने वाली मुश्किलों पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को बहुत फायदा मिल रहा है। टूर्नामेंट के पहले हफ्ते में 200 से कम रन के स्कोर बहुत कम देखने को मिले हैं। अश्विन ने सुझाव दिया कि गेंदबाजों पर लगातार रन रोकने का जो दबाव है, उसके कारण उन्हें मानसिक सहायता की मदद की जरूरत पड़ सकती है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि कुछ आईपीएल पिचों पर गेंदबाजों के लिए सफल होना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि पार्टटाइम गेंदबाजों की तुलना में फुल टॉस गेंद फेंकना ज्यादा अच्छा तरीका हो सकता है।

पहले हफ्ते के मैचों में अक्सर मुकाबले हाई-स्कोरिंग रहे। सिर्फ दो मैचों में 200 से कम रन बने। यह तक कि कम स्कोर वाले मैचों में भी, एक टीम ने आसानी से लक्ष्य का पीछा कर लिया। कई अन्य मैचों में टीमों ने 200 से ज्यादा रन बनाए। कुछ टीमों ने बड़े स्कोर का पीछा किया और कुछ ने ज्यादा रन बनाकर भी मुश्किल से जीत हासिल की। 2024 आईपीएल सीजन में इम्पैक्ट प्लेयर नियम लागू होने के बाद, टीमों को एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति मिली। इससे औसत मैच स्कोर बढ़कर 189 रन हो गया। विश्लेषक प्रज्ञान ओझा की टिप्पणी पर कि गेंदबाज ज्यादा सतर्क हो रहे हैं, अश्विन ने असहमति जताई। अश्विन ने कहा कि गेंदबाजों को जल्द ही पर्सनल साइकोलॉजिस्ट की जरूरत होगी। उन्होंने मजाक में कहा कि कुछ पिचों पर गेंदबाजी करना नामुमकिन हो गया है।

अनुभवी ऑफ-स्पिनर आर अश्विन 9.75 करोड़ रुपये में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में वापस आ गए हैं। 2015 के बाद यह उनकी फ्रेंचाइजी में वापसी है। उन्होंने हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 23 मार्च को खेले गए मैच में अश्विन ने चार ओवर में 31 रन देकर एक विकेट लिया। रविचंद्रन अश्विन का अगला आईपीएल 2025 मैच 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ होगा।

करुण नायर का वनवास आखिरकार होने वाला है खत्म, रोहित-विराट संग इस टीम में खेलते आ सकते हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। जून में शुरू होने वाले इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई ने कुछ नई टेस्ट खिलाड़ियों को इंडिया ए टीम में शामिल करने का फैसला किया है। ये खिलाड़ी इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो चार दिवसीय मैच खेलेंगे। यह तैयारी इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए है। 20 जून से टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। इन मैचों का फाइनल 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास का मौका देना है।

इंडिया ए टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलेगी। इसकी शुरुआत 30 मई को होगी। आईपीएल 2025 का खिताबी मुकाबला 25 मई को खेला जाना है। प्लेऑफ की शुरुआत 20 मई से होगी। इन मैचों से खिलाड़ियों को इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इंडिया के मुख्य टेस्ट खिलाड़ी इन अभ्यास मैचों के लिए ए टीम में शामिल किए जाएंगे। फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इंडिया ए

अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर इंडिया ए टीम के लिए चुने जा सकते हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। यह विजय हजारे ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। रणजी ट्रॉफी में भी उन्होंने 9 मैचों में 54 की औसत से 863 रन बनाए। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में चौथे नंबर पर थे। उन्होंने चार शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उनके इस प्रदर्शन की वजह से उन्होंने टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश कर दी है।

करुण नायर भारतीय क्रिकेट इतिहास के उन चंद बल्लेबाजों में शामिल हैं, जिनके नाम टेस्ट में तिहरा शतक है। नायर ने 2016 में अपने करियर के चौथे ही मैच में 303 रनों की पारी खेली थी।

इंदौर में क्रिकेट का रोमांच, महिला वर्ल्डकप के होंगे मैच

आईपीएल की तर्ज पर मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग के भी मुकाबले

इंदौर (एजेंसी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टूर्नामेंट के मैच भले इंदौर को न मिले हो लेकिन क्रिकेट प्रेमियों की निराशा विमेंस वर्ल्ड कप मैच के मिलने से दूर हो जाएगी। दरअसल, 29 सितंबर से आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। इस बार मेजबानी भारत कर रहा है। इस बार इंदौर में भी मैच खेले जाएंगे।

इंदौर के अलावा रायपुर, विशाखापट्टनम, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में भी मैच होंगे। हालांकि, ये अभी तय नहीं है कि इंदौर में कितने मैच होंगे और कौन-कौन से देशों की टीमें यहां भिड़ेंगी। इसका शेड्यूल अभी तय होना बाकी है।

मध्यप्रदेश को 2018 के बाद लगातार 7वें साल आईपीएल का एक भी मैच नहीं मिला है। इससे यहां के फैंस मायूस नजर आ रहे हैं। 14 जनवरी 2024 को इंदौर में आखिरी इंटरनेशनल टी-20 मैच खेला गया था।

यह मैच होलकर स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच था। इसके बाद यह माना जा रहा था कि 2025 के शेड्यूल में इंदौर को एक मैच जरूर मिल सकता है। इंदौर के होलकर स्टेडियम में अब तक 9 इंटरनेशनल मैच और इतने ही आईपीएल मैच हो चुके हैं।

भारत 12 साल बाद विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। इससे पहले 2013 में महिलाओं के बड़े वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी।

विमेंस बड़े वर्ल्ड कप में 8 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान भारत समेत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, 2 जगह के लिए 9 अप्रैल से पाकिस्तान में क्वालिफायर मुकाबले खेले जाने हैं।

इसमें पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, आयरलैंड, थाईलैंड और स्कॉटलैंड की टीमों के नाम हैं। क्वालिफायर टीम के नाम फाइनल होने के बाद ही सभी मैचों के शेड्यूल तय होंगे।

मोहाली, विशाखापट्टनम और रायपुर में अब तक विमेंस इंटरनेशनल मैच नहीं हुए हैं। इंदौर के नेहरू स्टेडियम में 2 विमेंस मैच हुए हैं, जिनमें से एक 1997 के वर्ल्ड कप में हुआ था। विशाखापट्टनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम विमेंस इंटरनेशनल मैच की होस्टिंग कर चुका है। यहां 5 वनडे और 6 टी-20 खेले जा चुके हैं।

2024 में एमपीसीए के उद्घाटन मैच के पहले मोहन डॉ. मोहन यादव ने नए क्रिकेट स्टेडियम का शुभारंभ किया था। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, बीसीसीआई सचिव जय शाह, पूर्व कप्तान कपिल देव मौजूद रहे थे।

2024 में एमपीसीए के उद्घाटन मैच के पहले मोहन डॉ. मोहन यादव ने नए क्रिकेट स्टेडियम का शुभारंभ किया था। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, बीसीसीआई सचिव जय शाह, पूर्व कप्तान कपिल देव मौजूद रहे थे।

आईपीएल की तर्ज पर एमपीएल टी-20 (मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग) 2025 इस बार इंदौर में होगा। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने इस साल मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन को इंदौर के होलकर स्टेडियम में आयोजित करने का फैसला किया है।

एल्विश यादव के साथ रिलेशनशिप के दावे पर अभिनेत्री ने दी प्रतिक्रिया

हाल ही में यूट्यूबर एल्विश यादव ने मनीषा के साथ रिलेशनशिप की बात कही थी। अब इस मामले में अभिनेत्री ने अजीब तरीके से प्रतिक्रिया दी है। मिस शेल 17 की प्रतियोगी मनीषा चोपड़ा ने एल्विश यादव से डेटिंग वाली बात पर प्रतिक्रिया दी है। शो बिग बॉस यूट्यूबर एल्विश ने अपने पॉडकास्ट के प्रोमो में कहा था कि उनका चक्कर मनीषा के साथ चल रहा है। अब इसपर मनीषा ने अपने अंदाज के मुताबिक प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं आखिर अभिनेत्री ने क्या कहा।

एल्विश के साथ अनबन अजीब दास्तां

यूट्यूबर एल्विश यादव ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में मनीषा के साथ रिलेशनशिप की बात कही थी। अब इस मामले में मनीषा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट किया है, जिसमें वह यूट्यूबर द्वारा उनके साथ रिलेशनशिप को कुछ हुए दिखा रही हैं। साथ ही वह कई तरीके के रिएक्शन भी देती हुई दिखाई दे रही हैं। इसे देखने के बाद मनीषा ने हाल ही में हो रिलीज हुआ उनका गाना अजीब दास्तां हैशटैग लगाया है। इसके अलावा वह यह भी कहती हैं कि उनकी जिंदगी में ऐसी कई अजीब दास्तां होती रहती हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मनीषा ने कैप्शन में लिखा कि एल्विश यादव के साथ उनकी अजीब दास्तां। हालांकि, स्टोरी में वह लगातार कह रही हैं कि वह अपने गाने को प्रमोट कर रही हैं।

आखिर क्या था एल्विश यादव ने?

गौरतलब है कि एल्विश यादव के पॉडकास्ट का एक प्रोमो रिलीज हुआ, जिसमें एल्विश यादव (एल्विश यादव) ने मनीषा चोपड़ा के साथ चल रहे अफेयर की अफवाहों के बारे में सवाल किया। इसपर एल्विश ने जवाब दिया कि, मनीषा के साथ उनका चक्कर चल रहा है। यूट्यूबर की पॉडकास्ट लिस्ट रेफरेंस में कई बार आई थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लिस्ट रेफरेंस नहीं, उन्होंने कई बार इसमें भी उनकी पॉडकास्ट कर दी है। हालांकि, वह लगातार अपने ब्रांड प्रमोशन के तौर पर कह रहे हैं और वह खुद का इंटरव्यू लेते दिख रहे हैं।

दिल्ली HC ने खारिज की हनी सिंह के गाने में बदलाव की मांग वाली याचिका

याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

सिंगर-रैपर हनी सिंह का फिल्म 'मिलेनियर' रिलीज हुआ नया गाना 'पैनिक' लगातार चर्चाओं में बना हुआ है। गाने के बोलों को लेकर सिंगर और इसके प्रोडक्शन को लेकर याचिका भी दायर की गई। अब कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए अपनी टिप्पणी की है। जानिए कोर्ट ने क्या कहा है।

दिल्ली हाई न्यायालय ने पैनिक और रैपर हनी सिंह को बड़ी राहत दी है। हाई न्यायालय ने हनी सिंह के नए गाने 'पैनिक' के बोलों में संशोधन करने की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा, अश्लीलता का कोई धर्म नहीं होता। याचिकाकर्ता लक्ष्य कुमार ने आरोप लगाया था कि हनी सिंह के गाने में भोजपुरी भाषा का इस्तेमाल करके महिलाओं का यौन शोषण किया गया है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

लक्ष्य कुमार की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति कुमार यशवंत की पीठ सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील की ओर से कहा गया कि इस गाने में भोजपुरी भाषा का अपशब्द करके अश्लीलता को समर्थन दिया गया है और महिलाओं का यौन शोषण किया गया है। इसपर पीठ ने कहा कि अश्लीलता का कोई धर्म नहीं होता। यह नहीं किया जाना चाहिए। कभी भी भोजपुरी अश्लील गान कहें, अश्लीलता सिर्फ अश्लीलता होती है।

याचिका में गाने के बोलों को बदलने की मांग

लक्ष्य कुमार की ओर से अपनी याचिका में कहा गया था, हनी सिंह का गाना स्पष्ट यौन शिक्षण को बढ़ावा देता है। वे ऐसे अर्थ का प्रयोग करता है, जिसमें महिलाओं को सिर्फ यौन इच्छा की वस्तु के रूप में दर्शाया गया है। इसके बोलों में घटिया भाषा का इस्तेमाल किया गया है। इसके बोल महिलाओं को एक वस्तु के रूप में दिखाते हैं, जो लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

शूटिंग के दौरान वरुण धवन को लगी चोट, बोले- 'ठीक होने में कितना समय लगेगा'

अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'हैजवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग अफ्रीका में चल रही है। वह शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अभिनेता ने बताया कि उनकी अंगुली में चोट लग गई है। अभिनेता ने प्रशंसकों से सवाल किया कि इसे ठीक होने में कितना समय लग सकता है। वरुण ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें वे अपनी छोटी उंगली को बर्फ के कटोरे में डुबाकर उसपर हल्दी का लेप लगाए नजर आए। उन्होंने लिखा, आपकी अंगुली को ठीक होने में कितना समय लगता है। हालांकि, अभिनेता ने इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि उन्हें चोट कैसे लगी। इससे पहले एक पोस्ट में अभिनेता ने 'भेड़िया 2' की शूटिंग के दौरान लगी चोट की भी जानकारी दी थी। उन्होंने प्रशंसकों को अपनी चोट दिखाई थी। वरुण अपनी अंगुली को एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'यह एक गहरा जख्म है। वीडियो में उनकी उंगली पर कटने के निशान हैं।

हालांकि, इससे पहले एक और चोट का जिक्र उन्होंने किया था। इंस्टाग्राम पर अपने हाथ और गाइरोप का कलोज-अप पोस्ट किया था, जिसमें हल्की खरोंच और चोट के निशान दिखाई दिए थे। फिल्म की बात करें तो वरुण धवन जल्द ही 'भेड़िया 2' में दिखाई देंगे। फिल्म में वरुण के साथ सनी देओल, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'भेड़िया 2' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जैकी भगनानी और निधि दत्ता ने मिलकर किया है। वरुण के साथ जान्हवी कपूर के साथ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भी है। वरुण के साथ पूजा हेगड़े के साथ 'हैजवानी तो इश्क होना है' भी है, जिसकी शूटिंग 22 मार्च से अफ्रीका में शुरू हो चुकी है। इंस्टाग्राम पर वरुण ने अफ्रीका से कई तस्वीरें, वीडियोज शेयर की, वीडियो में वरुण और पूजा साथ में मस्ती करते हुए दिखाई दिए। एक अन्य वीडियो में वे एक पेड़ को पानी देते हुए दिखाई दिए। इस प्रोजेक्ट का निर्माण रमेश तौरानी ने किया है। वरुण और पूजा के अलावा, इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, कुमार सौरभ, मनोज पंत, रोहित सराफ, राजेश खटेलवाल, नितीश निर्मल और शेखर शीहें।

16 करोड़ का सपना

गुरमीत चौधरी का संघर्ष से सफलता तक का प्रेरक सफर

सफलता की कहानियाँ अक्सर मेहनत, त्याग और अटूट जुनून पर आधारित होती हैं, और गुरमीत चौधरी की यात्रा इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। मुंबई में संघर्षपूर्ण जीवन से लेकर आज तक में ?16 करोड़ के आलीशान घर के मालिक बनने तक, उनकी कहानी एक प्रेरणादायक है। जब गुरमीत पहली बार मुंबई आए थे, तब उनके सपनों का रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। अभिनेता को अपने करियर में कई बार भूखा रहना पड़ा, और ऐसे दिन भी थे जब उनके पास शहर में पेट्रोल भरवाने तक के पैसे नहीं होते थे। रहने की स्थिति भी बहुत कठिन थी – वे 10-12 लोगों के साथ एक छोटे से कमरे में रहते थे और अक्सर फर्श पर सोना पड़ता था। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से नहीं हटाई। इस पूरे सफर में उनकी पत्नी, देविना बनर्जी, हमेशा उनके साथ रही और उनका सबसे बड़ा सहारा बनी। दोनों ने मिलकर कुर्बानियों का सामना किया, छोटे-छोटे सपनों को जोड़ा और अपने सपनों को पाया। उनकी कहानी यह प्रमाणित करती है कि सही साथी के साथ सफलता और भी मीठी हो जाती है। अपने सफर को याद करते हुए गुरमीत कहते हैं, मैं मुंबई एक जुनून से आया था, सपनों और कड़ी मेहनत में अटूट विश्वास के साथ आया था। संघर्ष बहुत थे, लेकिन मैंने कभी अपने लक्ष्य को दूर नहीं होने दिया। आज जब मैं अपने घर में कदम रखता हूँ, तो अपने अतीत को याद करता हूँ और उन सभी के प्रति आभार जताता हूँ जिन्होंने मेरा साथ दिया – खासकर देविना, जो इस सफर में मेरी ताकत रही हैं। एक नई पारी देखने वाले युवा से लेकर एक महारथी अभिनेता और आज ?16 करोड़ के घर के गर्वित मालिक बनने तक, गुरमीत चौधरी की यात्रा यह दर्शाती है कि मेहनत और समर्पण से सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है।

'सीता मैया' का होने जा रहा छोटे परदे पर नया अवतार

दीपिका चिखलिया छोटे पर्दे पर जल्द ही बड़ी हलचल की छोटी बहू दिखाई देंगी। गुरुमा के रूप में नजर आने वाली हैं। 'दूरदर्शन' पर रामानंद सागर की 'रामायण' में सीता का किरदार निभाकर देश-दुनिया में मशहूर हुई दीपिका चिखलिया इन दिनों छोटे पर्दे पर फिर से सक्रिय हैं। हालांकि में धारावाहिक 'धरोहर नसीबों' में दिखीं दीपिका को धमाकेदार एंट्री अब धारावाहिक बड़ी हलचल की छोटी बहू दिखाई दे रही हैं। गुरुमा के रूप में हो जा रही हैं। दीपिका अपने इस किरदार को लेकर खासी उत्साहित भी हैं। और, दीपिका से जवाब उत्साहित इस धारावाहिक को हरीश दीवान धामी हैं।

पता चला है कि धारावाहिक बड़ी हलचल की छोटी बहू अब एक नई और अनोखे अवतार को और बढ़ रहा है। शो के हालिया ट्रैक में फिलहाल चैता के हालात और मुश्किल होते नजर आ रहे हैं। वहीं, चमकीली अपनी चालाकी से परिवार को चैता के खिलाफ करने में सफल होती दिखाई देती है। लेकिन कहानी में एक नया मोड़ तब आएगा, जब गुरुमा के रूप में एक दैवीय शक्ति प्रकट होगी। चैता का किरदार निभा रही दीपा धामी बताती हैं, हम सभी अपने माता-पिता से सीता मैया के रूप में दीपिका जी को मिले सम्मान की बातें सुनकर बड़े हुए हैं। जब मैंने अपनी माँ को बताया कि मैं दीपिका जी के साथ काम करने वाली हूं तो वह खुशी से झूम उठीं और बोलीं कि अब मेरा हीरोइन बनना सफल रहा। पूरे मोहल्ले में उन्होंने इसका ढोल पीट दिया है।

दीपा कहती हैं, दीपिका जी इतनी बड़ी कलाकार होने के बावजूद बहुत विनम्र और सरल हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत ही सुखद अनुभव है और मुझे उनसे हर दिन कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। जिस तरह से वे हर एक सीन को खूबसूरती से निभाती हैं, वह सच कुछ बहुत ही प्रेरणादायक बात है।

मेरे काम का अहम हिस्सा है फिटनेस - ईशान खट्टर

अभिनेता ईशान खट्टर ने बताया है कि वह हमेशा अपने आउटफिट्स रिपीट करते हैं। उन्होंने सम्वाद एजेंसी आईएएनएस से कहा कि फिटनेस उनके काम का बेहद अहम हिस्सा बन चुका है। अल्टीमेट बॉडी कैन्डन टू में डिनाइन पक्का सम्वेश के लिए कुछ ईशान से जब पूछा गया कि जब वह अपने कपड़ों को रिपीट करते हैं, तो उन्होंने कहा, हां, सोचता हूं। मैं हमेशा ऐसे ही आउटफिट्स रिपीट करता हूं। मैं आज तक भी एक आउटफिट रिपीट करने जा रहा हूं। एक्टर के लिए फिटनेस बहुत मायने रखता है और उनकी जीवनशैली का अहम हिस्सा बन चुका है। उन्होंने कहा, फिटनेस मेरे काम का हिस्सा बन चुका है। मैं एक्टर हूं और आज कहीं जीवन का हिस्सा बन चुका है। मैं अपनी बॉडी के साथ मेंटल हेल्थ के लिए भी काम करता हूं क्योंकि वह आपको ओवरऑल कैरेक्टर रहने में भी मदद करता है। यह मेरी जीवनशैली का एक हिस्सा है। ईशान ने साल 2005 में आई फिल्म 'चाह! लिखकर हो तो पढ़ो!' में एक्ट्रेस मनीषा कोइराला के साथ मेन्स्ट्रीम में भी, जिसमें उनके सौतेले भाई शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में थे। वह साल 2017 में रिलीज मराठी के दुख 'सिर्फ द बेस्ट उदय' में पहली बार मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद वह रोमांटिक-ड्रामा 'धड़क' में नजर आए। ईशान विदेश में भी 'द लुटेरा' और अमेरिकी वेब सीरीज 'द पर्फेक्ट कपल' में भी काम कर चुके हैं। अभिनेता 'डरोचस' सीरीज में अभिनय करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के साथ नजर आएंगे। सीरीज का शूटिंग हाल ही में जारी हुआ, जिसमें ईशान मोरपुर के शाही शिकार के अधिकारी अभिजय सिंह की भूमिका में हैं। ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर के बीच यह पहला सहयोग है। ईशान हाल ही में तारा सुतारिया के साथ प्यार आया है नामक एक म्यूजिक वीडियो में नजर आए थे। इसमें उनकी रोमांटिक और रोमांच दोनों ने खूब सराहना की है।

सलमान खान करना चाहते हैं अनन्या और जाह्नवी के साथ काम

सलमान खान ने कहा है कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहते हैं। लेकिन लोग उम्र का अंतर बताकर इस काम मुश्किल बना देते हैं।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर का प्रमोशन कर रहे हैं। सलमान ने युवा अभिनेताओं के साथ अपनी फिल्मों को लेकर हो रही चर्चाओं पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वह अनन्या पांडे और जाह्नवी कपूर के साथ काम करना चाहते, लेकिन लोग उनके बीच उनके अंतर को लेकर उनकी आलोचना करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सलमान ने उम्र के अंतर पर खुलकर बात की और कहा कि वह युवा अभिनेत्रियों के साथ काम करना चाहते हैं, लेकिन लोग उनकी आलोचना करेंगे। उन्होंने कहा, अगर मैं अनन्या या जाह्नवी के साथ काम करना चाहता हूं, तो लोग मेरे खिलाफ मुश्किल खड़ी कर देते हैं क्योंकि उम्र में उनके अंतर के बारे में बात करते हैं। इसके बावजूद, मैं उनके साथ काम करना जारी रखूंगा।

बहरहाल सलमान खान की फिल्म सिकंदर 30 मार्च यानी कि ईद के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्म में रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म के ट्रेलर के लॉन्च के मौके पर सलमान खान ने उनके गैप के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था सोशल मीडिया वाले आज कल पॉडकास्ट करते हैं। अब लोग कह रहे हैं कि अभिनेता और मुझमें 31 साल का गैप है।

युवा पीढ़ी ने कर दिया था इंकार

इसी बातचीत के दौरान सलमान खान ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने एक बार एक फिल्म निर्माता को एक साथ कई कलाकारों को लेकर कुछ बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन मौजूदा पीढ़ी के सभी अभिनेताओं ने एक-दूसरे के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। सलमान के बताया सभी बहुत हैरान में पड़ गए। हम पहले-कास्ट फिल्में करने में सहज थे क्योंकि हमारे लिए यह ऐसा था कि हमारे सभी प्रशंसक एक साथ मिलकर फिल्म को हिट बनाते। हमने एक साथ 100-200 दिन काम किया।

छोरी 2 के सेट पर चोटिल हुई नुसरत की आंख, लगे थे दो टांके

नुसरत भरूचा की फिल्म छोरी 2 का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म में वे एक बार फिर से सभी को डराती नजर आ रही हैं। वहीं, शिवाय यूट्यूब पर हुए 2 दिन आईएमडीबी 2025 में नुसरत ने बताया था कि इस फिल्म को लेकर अपडेट दी थी। फिल्म के अलावा उन्होंने और भी कई दिलचस्प बातें शेयर की। इसके पहले नुसरत ने आईएमडीबी में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जब किसी फिल्म की शिमाही में 25 हफ्ते पूरे हो जाते हैं तो हम सिलेब्रेट जुश्नी मनाते हैं, आईएमडीबी 25 खास होगए है। यह बहुत बड़ी बात है। यह एक मील का पत्थर है और मुझे खुशी है कि मैं आईएमडी का हिस्सा हूं।

छोरी 2 पर साझा किया अपडेट

आगामी फिल्म छोरी 2 के बारे में पूछे जाने पर नुसरत ने अपनी शूटिंग का अनुभव साझा किया, जो उनके लिए बेहद खतरनाक भी रहा। उन्होंने कहा, छोरी 2 की शूटिंग का अनुभव बहुत खतरनाक रहा, क्योंकि इस दौरान मैंने जो किया, मुझसे जो करवाया गया, मुझ पर जो बीती है, वो मैं आपको बता भी नहीं सकती। नुसरत ने बताया कि वह सेट पर घायल भी हो गई थी। वह किस्सा साझा करते हुए उन्होंने कहा, शूटिंग के दौरान सेट पर आंख के पास चोट लग गई थी और दो टांके भी आए थे। खून भी बहा था, लेकिन मन बहुत आया, शूटिंग करते में अच्छा लगा। छोरी फिल्म में दिल के बहुत करीब है और अब छोरी 2 भी दिल के करीब हो गई है।

साभार एजेंसी